फाल्गुन माह , कृष्ण पक्ष 21 वर्ष, अंक 38 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार 02 मार्च 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

दर्दनाक: यूक्रेन में भारतीय छात्र की मौत

खार्किव में राशन लेने गए भारतीय छात्र की बमबारी से मौत, दोस्तों ने कहा- रूसी सेना ने गोली मारी, पीएम मोदी ने परिवार से की बात, 'वैक्यूम बम' से यूक्रेन को तबाह कर रहा रूस, भयंकर गर्मी फैलाकर ऐसे छीन लेता है सांसें

कीव: यूक्रेन पर रूस के हमले के छठवें दिन खार्किव शहर में एक भारतीय छात्र नवीन कुमार की मौत हो गई है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सोशल मीडिया पर कहा- हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि खार्किव में बमबारी की वजह से एक भारतीय छात्र की जान चली गई है। हम उसके परिवार के संपर्क में हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्र के पिता से बात कर दुख जताया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक छात्र नवीन कर्नाटक का रहने वाला था। उसकी उम्र 21 साल थी और वह खाना लेने के लिए बाहर निकला था। वह खार्किव नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी में फोर्थ ईयर का छात्र था। नवीन के साथ होस्टल में रहने वाले श्रीधरन गोपालकृष्णन ने बताया- यूक्रेन के समय के मुताबिक, सुबह 10.30 बजे नवीन राशन की दुकान के सामने लाइन में लगा था। उसी समय रूसी सेना ने लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। हमारे पास उसकी बॉडी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हम में से किसी को अस्पताल जाने की इजाजत भी नहीं दी गई है, ताकि हम पता लगा सकें कि उसकी बॉडी कहां रखी गई है।

भारतीय छात्रों को बाहर निकालने के प्रयास जारी: बागची ने कहा कि यूक्रेन में भारतीय नागरिकों को बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला रूस और यूक्रेन के एम्बेसेडर्स के संपर्क में हैं।

यूक्रेन में भी भारत का दुश्मन पाक :पाकिस्तानी स्टूडेंट्स भारतीयों का सामान लूट रह

नई दिल्ली/ यूक्रेन: जंग तो रूस और यूक्रेन के बीच है। मिसाइल और बम के हमले हो रहे हैं। हर किसी को जान बचाने की फिक्र है, लेकिन इन हालात में भी पाकिस्तानी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूक्रेन में पाकिस्तानी नागरिक भारतीय छात्रों के साथ लूटपाट कर रहे हैं। पाकिस्तान के अलावा नाइजीरिया के स्टूडेंट्स भी इसी तरह की हरकतें कर रहे हैं। भारतीय स्टूडेंट्स के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यहां से सुरक्षित निकलने की है। दरअसल, भारतीय छात्र एम्बेसी के एक फैसले से परेशान हैं। एम्बेसी कह रही है, अपने रिस्क पर बॉर्डर तक आओ, लेकिन यूक्रेन में कर्फ्यू है और बाहर निकलने वालों को गोली मारने के आदेश हैं।

कर्नाटक के सीएम ने नवीन के पिता से बातचीत की

नवीन की मौत की पुष्टि कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी कर दी है। राज्य के सीएम एसआर बोम्मई ने नवीन के पिता से खुद बातचीत की है। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा है कि नवीन का पार्थिव शरीर लाने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी। सीएम ने कहा कि इस मामले में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से बातचीत की जा रही है।

राहुल गांधी ने जताया दुख: भारतीय छात्र की मौत पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दुख जताया है। उन्होंने मृत छात्र के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही भारत सरकार से छात्रों को जल्द और सुरक्षित लाने की अपील की है।

कोई 18 किमी पैदल चला तो कोई कैंप में फंसा...

रायपुर: युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारत लौटने की राह में दुश्वारियां कम होती नहीं दिख रही हैं। भारतीय दूतावास ने कीव से कर्फ्यू हटने के बाद सभी भारतीयों को रेलगाड़ियों के जरिए पश्चिमी हिस्से में पहुंचने का सुझाव दिया, लेकिन वह भी आसान नहीं था। किसी तरह भारतीय स्टूडेंट रेलवे स्टेशन पहुंचे तो वहां ट्रेन नहीं मिल रही थी। कुछ लोग वहां से लौट गए। जबकि कुछ ने तमाम धक्का-मुक्की के बाद ट्रेन पकड़ने में कामयाब रहे। अब वे उत्तर-पश्चिमी के शहर, लवीव की ओर बढ़ रहे हैं। कीव से बाहर निकलने में कामयाब रहे भारतीयों के समूह में जशपुर की प्रगति मिश्रा भी हैं। उनके पिता रामजी मिश्र ने बताया कि दूतावास की एडवाइजरी मिलने के बाद यूनिवर्सिटी के सभी भारतीय स्टूडेंट रेलवे स्टेशन के लिए निकले। रेलवे स्टेशन पहुंचने के लिए कोई कैब या बस नहीं मिल रही थी। बाहर निकलने की जल्दी में सभी लोग 18 किलोमीटर पैदल चलकर रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां भारी भीड़ थी और यूक्रेनी लोग भी उन्हीं ट्रेनों से पश्चिमी प्रदेशों की ओर जा रहे थे। ऐसे में वे लोग भारतीयों को ट्रेन में नहीं चढ़ने दे रहे थे। कुछ स्टूडेंट वहां से घबराकर वापस लौट गए। उनकी बेटी के साथ 30-40 स्टूडेंट वहीं रुके। करीब 5-6 ट्रेन गुजरने के बाद उन्हें एक ट्रेन मिली है। वह भी सीधे बार्डर नहीं ले जाएगी। वहां पहुंचकर उन लोगों को बस करनी पड़ेगी। उसके बाद किसी तरह उन्हें हंगरी बार्डर पहुंचना है।

27 फरवरी से रोमानिया के कैंप में हैं शिवम: अंबिकापुर के शिवम सिंह विन्तिसिया शहर के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ते हैं। शिवम वहां से 450 किमी की दूरी तय कर किसी तरह रोमानिया के बार्डर पहुंचे। उसके लिए यूनिवर्सिटी ने बस का इंतजाम किया लेकिन उसके लिए पैसे लिए जा रहे थे। दूतावास के हस्तक्षेप के बाद किसी तरह मामला सुलझा।

...और, दो सेकंड में ध्वस्त हो गया खारकीव का प्रशासनिक मुख्यालय

कीव: यूक्रेन पर रूसी हमले की तीव्रता लगातार बढ़ती जा रही है। अब रूसी सेनाएं प्रमुख यूक्रेनी शहरों के प्रशासनिक तंत्र पर सीधे हमला कर रही हैं। मंगलवार को रूसी सेना ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर ताबड़तोड़ हमले किये। रूसी सेना की एक मिसाइल ने सीधे खारकीव के प्रशासनिक मुख्यालय को निशाना बनाया। मिसाइल हमले में प्रशासनिक मुख्यालय भवन दो सेकंड में ध्वस्त हो गया। मंगलवार को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग आठ बजे खारकीव के प्रशासनिक मुख्यालय भवन पर मिसाइल दागी गयी। इससे यह भवन तो ध्वस्त हुआ ही, आसपास मौजूद कई नागरिकों के भी हताहत होने की जानकारी सामने आई है। खारकीव के प्रमुख ओलेग सेनगुबोव ने भी प्रशासनिक इमारत गिरने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि आज रूसी हमले का छठा दिन है और अब प्रशासनिक और रिहायशी इमारतों पर भी रूस की ओर से हमले किए जा रहे हैं। प्रशासनिक व आवासीय भवनों पर हमलों को युद्ध नियमों का उल्लंघन माना जाता है। सेनगुबोव ने कहा कि रूस ने ग्रेड और क्रूज मिसाइलों से खारकीव पर हमला बोल दिया है। रूस अब युद्ध अपराध कर रहा है लेकिन हमारी सेनाएं डटी हुई हैं और रूस का कड़ा मुकाबला किया जा रहा है। खारकीव के अलावा रूसी सेना ने राजधानी कीव की भी घेरेबंदी कर ली है। कहा जा रहा है कि यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस की ओर से किसी भी वक्त बड़ा हमला किया जा सकता है।

चिंतित परिजनों की जानकारी साझा करें सांसद: विदेश मंत्री

नई दिल्ली: रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को लेकर पूरी दुनिया के लोग डरे हुए हैं। भारत के लगभग हर राज्य के छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं। यूक्रेन में फंसे लोगों के परिजन भारत में परेशान हैं। छात्रों के परिजन अपने क्षेत्र के सांसदों को फोन कर उनके बच्चों को वापस लाने की गुहार कर रहे हैं। जिसको लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सांसदों से कहा है कि वे इसको लेकर विदेश मंत्रालय के कार्यालय

के संपर्क में रहें और यूक्रेन में फंसे भारतीयों के परिजनों की चिंता को लेकर जानकारी साझा करें। केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर ने सांसदों को लिए अपने पत्र में लिखा है कि सभी लोग आश्वस्त रहें, सभी की सूचनाओं और पूछताछ पर ध्यान दिया जा रहा है। विदेश मंत्रालय की टीम सभी से संपर्क कर रही है। उन्होंने एक ई-मेल आईडी और व्हाट्सएप नंबर भी साझा किया है, जिस पर सारे सांसद चिंतित परिजनों की जानकारी साझा कर सकें। उन्होंने बताया कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वहां से निकालने के लिए सरकार ने ऑपरेशन गंगा लांच किया है। एस जयशंकर ने बताया कि वहां फंसे लोगों में ज्यादातर छात्र हैं जो मेडिकल की पढ़ाई के लिए यूक्रेन गए थे।

ईवीएम स्ट्रांग रूम की निगरानी बढ़ाएं कार्यकर्ता: अखिलेश

लखनऊ: सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा गठबंधन के सभी प्रत्याशियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वो ईवीएम स्ट्रांग रूम की निगरानी बढ़ा दें जिससे कोई गड़बड़ी न होने पाए। रमाबाई अंबेडकर मैदान में बने मतगणना स्थल पर बने स्ट्रांग रूम परिसर में सोमवार को उस वक्त हंगामा मच गया जब मध्य विधानसभा सीट के रिटर्निंग अफसर गोविंद मौर्या की सरकारी गाड़ी में हथौड़ी, छेनी, ताले, प्लायर निकल आए। इस पर सपा व अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकताओं ने ईवीएम से छेड़छाड़

का आरोप लगाते हुए दो घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया। घटना की सूचना पर मध्य सीट से सपा प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा भी पहुंच गए। डीएम व जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक प्रकाश ने बताया कि कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। संबंधित अधिकारी को चेतावनी देने के साथ स्पष्टीकरण मांगा गया है।

6 मई को खुलेंगे श्रीकेदारनाथ धाम के कपाट

ऊखीमठा: भगवान आशुतोष के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में 11वें केदारनाथ धाम के कपाट छह मई को सुबह 6.25 बजे बृष लग्न में खोले जाएंगे। इसके बाद आराध्य की छह माह की पूजा-अर्चना धाम में ही होगी। बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से दो मई को अपने धाम केदारनाथ के लिए प्रस्थान करेगी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर पंचकेदार गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में रावल भीमाशंकर लिंग की मौजूदगी में वेदपाठी व पंचपुरोहितों ने पंचांग गणना के आधार पर शुभ लग्न व मुहुर्त को देखकर

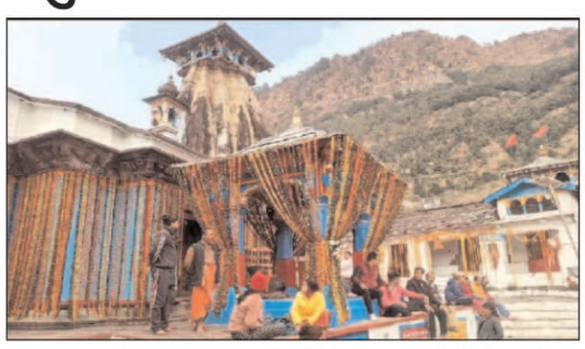

श्रीकेदारनाथ के कपाटोद्घाटन की तिथि व समय किया। पचांग गणना के अनुसार भगवान केदारनाथ के कपाट 6 मई को बृष लग्न में सुबह 6.25 बजे विधि-विधान के साथ खोले जाएंगे। बाबा केदार की चल विग्रह उत्सव डोली के पंचकेदार गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से केदारनाथ प्रस्थान का दिन भी तय किया गया। बाबा केदार की डोली अपने धाम के लिए दो मई को ऊखीमठ से प्रस्थान करेगी। गुप्तकाशी, फाटा, गौरीकुंड में रात्रि प्रवास करते हुए पांच मई को डोली केदारनाथ पहुंचेगी। साथ ही भगवान केदारनाथ के क्षेत्रपाल के रूप में पूजनीय आराध्य भगवान भैरवनाथ जी की विशेष पूजा-अर्चना एक मई की रात्रि को की जाएगी।

बाबा केदार की डोली प्रस्थान का कार्यक्रम: 2 मई को पंचकेदार गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर से प्रस्थान करते हुए विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में रात्रि प्रवास। 3 मई को विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी से प्रस्थान करते हुए फाटा में रात्रि प्रवास। 4 मई को फाटा से प्रस्थान करते हुए सोनप्रयाग होते हुए गौरीकुंड में रात्रि प्रवास।

एयर इंडिया को झटका: इलकर आयशी ने ठुकराया सीईओ बनने का प्रस्ताव

नई दिल्ली: 69 साल बाद टाटा संस की झोली में वापस आने के बाद से एयर इंडिया में बदलावों का जो सिलसिला शुरू हुआ, उसे मंगलवार को एक बड़ा झटका लगा है। घर वापसी के बाद टाटा की ओर से तुर्की एयरलाइंस के पूर्व अध्यक्ष इलकर आयशी की नियुक्ति की मंजूरी दी गई थी। लेकिन अब विमानन उद्योग के सूत्रों के हवाले एक रिपोर्ट में बताया गया कि उन्होंने एयर इंडिया के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

14 फरवरी को हुई थी नियुक्ति: रिपोर्ट में हालांकि, इस इनकार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन दावा किया गया है इलकर आयशी ने एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक बनने के टाटा समूह के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। गौरतलब है ।

कि बीती 14 फरवरी को टाटा संस ने एयर इंडिया के सीईओ के रूप में आयशी की नियुक्ति की घोषणा की थी। इस फैसले के बाद आरएसएस से जुड़े स्वदेशी जागरण मंच ने कहा था कि सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए।

खुलासा

देश में पीएम 2.5 प्रदूषण से होने वाली मौतें ढाई गुना बढ़ीं

नई दिल्ली: सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो दशकों में भारत में पीएम 2.5 प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों में 2.5 गुना वृद्धि हुई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में वायु प्रदूषण के कारण हर चार में से एक मौत भारत में हुई। ग्रीन थिंक-टैंक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) द्वारा डेटा एकत्र किया गया और इसके "भारत की पर्यावरण रिपोर्ट" से पता चला है कि दुनिया में वायु प्रदूषण के कारण 60 लाख से अधिक लोग मारे गए।

भारत में कुल 10.67 लाख मौतें: इनमें से 10.67 लाख मौतें भारत में हुईं। चीन में वायु

प्रदूषण के कारण 10.85 लाख लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में वायु प्रदूषण के जोखिम से जुड़े स्वास्थ्य प्रभावों से जीवन के पहले महीने में वैश्विक स्तर पर 4,76,000 शिशुओं की मृत्यु हुई। इनमें से 1,16,000 मौतें भारत में हुईं। खराब वायु गुणवत्ता 2019 में दुनिया भर में जल्दी मौत का चौथा प्रमुख जोखिम कारक था, जो केवल उच्च रक्तचाप, तंबाकू के उपयोग और खराब आहार से आगे निकल गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में भारत में परिवेशी पीएम 2.5 के कारण होने वाली मौतों में 2.5 गुना वृद्धि हुई है। 1990 में 2,79,500 से बढ़कर 2019 में 9,79,900 हो गई। पीएम 2.5 का मतलब सूक्ष्म कणों से है जो शरीर में गहराई से प्रवेश करते हैं और फेफड़ों और श्वसन नली में सूजन बढ़ाते हैं, जिससे कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली सहित हृदय और श्वसन संबंधी समस्याओं का खतरा होता है।

ओजोन के कारण होने वाली मौतों में 2.9 गुना वृद्धि

: भारत में ओजोन के कारण होने वाली मौतों में 2.9 गुना वृद्धि हुई है। 1990 में 43,200 से बढ़कर 2019 में 1,68,000 तक पहुंच गई।

हवाई सफर होगा महंगा: जेट फ्यूल के दाम 3.3 फीसदी बढ़े

नई दिल्ली: रूस और युक्रेन के बीच जारी युद्ध के चलते जहां एक ओर कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रहीं हैं और आठ साल के शिखर पर पहुंच चुकी हैं। वहीं दूसरी ओर हवाई यात्रियों का सफर भी महंगा होता जा रहा है। जी हां, इस साल अब तक जेट फ्यूल के दाम में पांच बार इजाफा किया जा चुका है। मंगलवार को विमान ईंधन के दाम में 3.3 फीसदी की वृद्धि की गई है।

परिचालन में 40 फीसदी

हिस्सेदारी: गौरतलब है कि किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में विमान ईंधन की लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी होती है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के औसत मूल्य के आधार पर हर महीने की 1 और 16 तारीख को जेट फ्यूल की कीमतों में बदलाव किया जाता है।

महाशिवरात्रि: शिव मंदिरों में उमड़ी भीड़, हर-हर महादेव के लगे जयकारे

शंकरगढ़ शिवालय में पूजा अर्चना करते श्रद्धालु

शंकरगढ़ शिव पार्वती की आकर्षक झांकी

नगर पंचायत सिरसा में महाशिव समिति के द्वारा गाजे-बाजे के साथ शिव बारात की शोभायात्रा निकालते

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चर्तुदशी को महाशिवरात्रि का पर्व पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया। गंगा घाट पर स्नान-ध्यान से लेकर शिवालों में जलाभिषेक को श्रद्धालुओं की कतार देखी गई। ग्रामीणांचल में स्थित शिव मंदिरों में हजारों-हजार लोगों ने जलाभिषेक किया। इस दौरान मेले का भी आयोजन किया गया। महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का भी आयोजन किया गया।

महाशिवरात्रि के पर पौ फटने से पहले ही शिवालयों में भक्तों की कतार लग गई थी। शिवभक्तों ने अपने प्रिय, देवों के देव की पूरी आस्था के साथ सेवा की। गंगाजल, दुग्ध, शहद, घृत, पंचामृत सहित अन्यान्य वस्तुओं से अभिषेक किया। तदोपरांत पुष्प, रोली, अक्षत, बौर, बेर, जौ, मटर, भांग, धतूरा (स्थानीय प्रचलन अनुसार) अर्पित कर जीव जगत के कल्याण का आशीष मांगा।

यमुनापार के सुजावन देव धाम, लालापुर में स्थित मनकामेश्वर धाम,रामगढ़ धाम सहित बारा, शंकरगढ़ क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े और स्थानीय मंदिरों में पूरे विधि-विधान से महादेव पूजे गए। घर के बड़े -बुजुर्गों संग बच्चों ने भी महाशिवरात्रि का व्रत रखा और महादेव का अभिषेक कर मनोकामना पूर्ति का वर मांगा।

महाशिवरात्रि के दिन पंचग्रही योग, परिघ योग, सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ शिवयोग भी था। इस वजह से जनपद के सभी देवताओं के मंदिरों में पूजन अर्चन का सिलसिला दोपहर बाद तक चलता रहा। मान्यता है कि उक्त योग में महादेव की आराधना करने से इच्छित वर की प्राप्ति होती है। गंगापार में स्थित पड़िला महादेव धाम में जलाभिषेक करने के लिए भारी संख्या में लोग जुटे। यहां पर प्रयागराज के अलावा पड़ोसी जनपद से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। सुरक्षा के मद्देनजर स्थानीय पुलिस प्रशासन ने कड़े बंदोबस्त कर रखे थे। चूंकि यहां पर चेन स्नेचिंग और पाकेटमारी की घटनाएं अक्सर होती हैं, इसलिए पुलिस ने भीड़ के बीच रहकर सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखा। यही स्थिति मनकामेश्वर लालापुर में देखने को मिली। यहां पर हजारों लोगों ने जलाभिषेक किया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर यहां पर एसडीएम बारा सौम्या गुरुरानी, सीओ बारा विमल कुमार मिश्र, तहसीलदार गणेश सिंह, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल के साथ स्थानीय थाने की पुलिस फोर्स भी मौजूद रही।

इसीतरह शंकरगढ़ थाने के प्रभारी बृजेश सिंह ने हरखोरिया कला में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में पूजा अर्चना की। एसओ के साथ कांस्टेबल संतोष त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। महाशिवरात्रि के मौके पर शंकरगढ़ के पुरानी बाजार से शिवबारात निकाली गई, जिसमें मनमोहक झांकियां शामिल रहीं। शिव बारात में सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया और सदर बाजार में भक्तों ने ठंडई का वितरण किया। इसी तरह विद्युत सब स्टेशन शंकरगढ़ में अवर अभियंता पंकज मौर्या की देखरेख में अखंड मानस पाठ के साथ महाशिवरात्रि के दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

नाले के गंदे पानी में लग रही आस्था की डुबकी

गंगा में बह रहा नाले का पानी

शिवरात्रि पर्व पर स्नान कर रहे लोग

सिरसा। प्रयागराज मेजा केंद्र की नरेंद्र मोदी और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के स्वच्छता अभियान, निर्मल गंगा-स्वच्छ गंगा योजना की धज्जियां सिरसा में उड़ाई जा रही है। गौरतलब हो कि नगरपंचायत सिरसा बाजार के गंदे पानी को वर्षों से सीधे (फेरी घाट) गंगानदी में पांटून पुल के पास स्नान घाट पर बहाया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो उक्त नाले को टेप करने का आदेश भी प्रशासन से हुआ था। लेकिन स्थानीय विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते उक्त नाले को टेप नहीं किया गया। नतीजा यह निकला कि प्रतिदिन गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालु गंदे नाले से निकलकर गंगा में बहने वाले पानी में डुबकी लगाने को मजबूर हैं। मजे की बात तो यह है कि महाशिवरात्रि पर भी हजारों श्रद्धालु ने नाले से बहने वाले गंदे पानी में आस्था की डुबकी लगाते दिखाई दिये। प्रधान संघ उरुवा के अध्यक्ष राजेश द्विवेदी, रामायणी श्यामू शुक्ला, अरविंद कुमार, पुष्कर तिवारी, श्लोक शुक्ला, आकाश पाण्डेय, रामकैलाश कनौजिया ,मोती लाल धनगर, मंजेश सेठ, सुरेश यादव सहित सौकड़ो लोगों ने गंगा में बहाते जा रहे गंदे पानी को आस्था और धर्म के साथ खिलवाड़ बताते हुए आक्रोश जताया।

प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व

कौंधियारा। कौंधियारा क्षेत्र के जारी कस्बे में प्राचीन बड़े हनुमान जी के मंदिर में धूमधाम से महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जा रहा है। जहां भोर से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ इकट्ठा होना शुरू हो गई है। वहीं विभिन्न क्षेत्र के शिवालयों में दूध और गंगाजल से अभिषेक कर सारे दिन व्रत का पालन करते हुए लोग भगवान शिव से उनके भक्त अध्यात्म शांति और समृद्धि की पूजा कर रहे हैं। खासतौर से महिलाओं में माना जाता है कि, महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय होगा। पौराणिक मान्यताओं में भी भगवान शिव की आराधना के लिए शिवरात्रि का दिन महत्वपूर्ण माना जाता है। भगवान शिव अघोर एवं शक्ति के स्वरूप के उपासक हैं। हर चंद्र मास का चौदहवाँ दिन अथवा अमावस्या से पूर्व का एक दिन शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। जो फरवरी-मार्च माह में आती है। इस रात, ग्रह का उत्तरी गोलार्द्ध इस प्रकार अवस्थित होता है कि मनुष्य भीतर ऊर्जा का प्राकृतिक रूप से ऊपर की और जाती है। यह एक ऐसा दिन है, जब प्रकृति मनुष्य को उसके आध्यात्मिक शिखर तक जाने में मदद करती है। इस समय का उपयोग करने के लिए, इस परंपरा में, हम एक उत्सव मनाते हैं। वास्तव में महाशिवरात्रि? भगवान भोलेनाथ की आराधना का ही पर्व है, जब धर्मप्रेमी लोग महादेव का विधि-विधान के साथ पूजन अर्चन करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस दिन शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है, जो शिव के दर्शन-पूजन कर खुद को सौभाग्यशाली मानती है।महाशिवरात्रि? के दिन शिव जी का विभिन्न पवित्र वस्तुओं से पूजन एवं अभिषेक किया जाता है और बिल्वपत्र, धतूरा, अबीर, गुलाल, बेर, उम्बी आदि अर्पित किया जाता है। भगवान शिव को भांग बेहद प्रिय है अतः कई लोग उन्हें भांग भी चढ़ाते हैं। दिनभर उपवास रखकर पूजन करने के बाद शाम के समय फलाहार किया जाता है।

हर हर महादेव के जयकारे से शिवालय हुए गुंजायमान

सहसों। भूत भावन भगवान भोलेनाथ की इस पावन महाशिवरात्रि के पर्व पर क्षेत्र के शिव मंदिरों में शिव भक्तों द्वारा जलाभिषेक, शिव स्तुति, पंचाक्षरी मंत्र एवं हर हर महादेव के जयकारे से मंदिरों सहित पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष फाल्गुन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को समस्त शिव भक्त भगवान भोलेनाथ का विधि विधान से व्रत, पूजन, आरती बड़े ही श्रद्धा भाव से कर मनोवांछित फल कामना की प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर आचार्य पंडित दिनेश तिवारी ने बताया कि शिव पुराण के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन भगवान सदाशिव सबसे पहले शिवलिंग स्वरूप में प्रकट हुए थे ऐसी मानता है कि इस दिन भगवान शिव का ज्योतिर्लिंग का प्राकट्य हुआ था तथा इसी चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पावन पर्व भक्त लोग मनाते हैं। उन्होंने कहा शिव भक्तों द्वारा विधि विधान से पूजन आरती पश्चात रात्रि जागरण करना चाहिए तथा ओम नमः शिवाय का जाप इत्यादि मंत्रों द्वारा किया गया जप मानव जीवन के उद्धार, कष्ट, परिवार की सुख शांति, समृद्धि के लिए विशेष प्रभावशाली माना गया है। इसी तरह मानस मर्मज्ञ पंडित शीतला प्रसाद व्यास जी ने बताया कि महा शिवरात्रि के दिन शिवजी की पूजा के लिए कई मंत्र हैं तथा धार्मिक मान्यता है कि इस दिन शिव के पंचाक्षर स्त्रोत का पाठ करने से हर असंभव काम संभव हो जाता है। पंचाक्षर मंत्र ओम नमः शिवाय की महिमा भक्तों में खूब प्रचलित है। इस पंचाक्षर मंत्र जाप से पृथ्वी, अग्नि, जल, आकाश और वायु पांचों तत्व को नियंत्रित किया जाता है। इस मंत्र का जाप करने से भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। सहसों स्थित श्री राम जानकी मंदिर एवं प्राचीन शिव मंदिर सहित क्षेत्र के रामनाथ पट्टी स्थित टहलू शिवाला, प्राचीन शिव मंदिर बुद्धेश्वर धाम गुलालपुर, प्राचीन शिव मंदिर रामनगर, शिव मंदिर पुराने तालाब के पास कसेरूआ खुर्द सहित क्षेत्र के तमाम प्राचीन शिवालयों में भक्तों ने घंटाघरियार बजाकर शिवजी को प्रसन्न करने के लिए बिल्व पत्र गंगाजल से अभिषेक दूध से अभिषेक ओम नमः शिवाय का जाप करते हुए पूजन आरती कर भगवान भोलेनाथ से भक्तों ने मनवांछित प्राप्त फल एवं कष्ट निवारण मोक्ष की प्राप्ति हेतु कामना एवं श्रद्धा भाव से प्रार्थना किए। इसी तरह क्षेत्र में भक्तों ने अपने अपने घरों में विद्वानों द्वारा भगवान शिव का अभिषेक गन्ने के रस द्वारा, गंगाजल द्वारा एवं दूध, शहद इत्यादि से रुद्राभिषेक अनुष्ठान कर भगवान शिव की जीवन की सुख शांति एवं जगत कल्याण के लिए देवादि देव महादेव से प्रार्थना, पूजन दीप दान आरती श्रद्धा पूर्वक किया गया। इस अवसर पर बेलवा गांव में सौरभ कुमार यादव द्वारा नवनिर्मित शिव मंदिर में विद्वान आचार्य पंडित आनंद मिश्र एवं पंडित रिंकू मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण से भगवान भोलेनाथ की प्राण प्रतिष्ठा की गई तत्पश्चात भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया।

महाशिवरात्रि पर्व लालापुर के मनकामेश्वर धाम में शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक

जसरा। जसरा क्षेत्र में महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान भूत भावन शिवजी के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। शिवालयों में भोलेनाथ के जयकारे से वातावरण गुंजायमान बना रहा। मंगलवार को जसरा के कैलाश धाम मंदिर दौना, काशी विश्वनाथ मंदिर जसरा के साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर तातारगंज समेत क्षेत्र के अन्य छोटे बड़े सभी मंदिरों में सुबह से ही शिव भक्त भगवान शंकर जी के पूजन अर्चन के लिए पहुंचने लगे। भक्तों ने भगवान शिव को गंगाजल, दूध,दही,शहद से स्नान कराने के बाद बिल्व पत्र, धतूरा, बैर, आम का बौर, मंदार का फूल ,अनाज की बाली ,फल-फूल आदि चढ़ाकर भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए पूजा अर्चना किया। कुछ भक्तों ने इस अवसर पर शिवलिंग बनाकर अपने घरों पर रुद्राभिषेक भी किया। भक्तों ने अपने पूरे परिवार रिश्तेदारों व इष्ट मित्रों के लिए भोलेनाथ से आशीर्वाद मांगकर जीवन की मंगल कामना की। जसरा के कैलाश धाम मंदिर दौना में मेले का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनों की संख्या में दुकाने लगाई गई। वहीं क्षेत्र के मंदिरों में भगवान शिव का जयकारा पूरे दिन गुंजायमान होता रहा। जसरा में जगह जगह ओम नमः शिवाय के जाप के साथ भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर कैलाश धाम मंदिर दौना में मेले के आयोजक सुरेन्द्र कुमार केसरवानी ने मेले में आये हुए लोगों से शान्ति बनाए रखने की अपील किया है। मेले में राजेश जायसवाल, अतुल मिश्र, शत्रुघ्न केसरवानी, बी डी पंडित, उमेश मिश्र, मातादीन मिश्र सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

हर हर महादेव से गुंजायमान हुआ कुंदौरा धाम

धनुपुर। सर्वधर्म समन्वय समिति द्वारा संचालित प्राचीन श्री हरिहर धाम कुंदौरा धाम मे महाशिवरात्रि के अवसर पर मंगलवार को भोर से ही भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और पुण्य लाभ की प्राप्ति की। जिसमें सभी शिव भक्तों ने दुध, दही, रोरी, अक्षत, फल फूल, मिष्ठान, भांग, धतूरा चढ़ाकर जलाभिषेक किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष जवाहर लाल गौड़ ने बताया कि पुण्यकाल मे शिव की आराधना अत्यंत सुखदाई होता है देवो के देव महादेव तो अवघढ़दानी है क्षण मात्र मे जल चढ़ाने से प्रशन्न हो जाते है शिव की आराधना सभी को करना चाहिए।महाशिवरात्रि के अवसर पर क्षेत्र के सभी मंदिरों में भोर से ही बेल पत्र,दूध, दही, अक्षत, मधु, रोरी, रक्षा,मिठाई के साथ शिवलिंग पर जल चढ़ना शुरू हो गया और यह क्रम दिनभर चलता रहा।कुंदौरा धाम में विशाल मेले का आयोजन हुआ एवं मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं चंद्रमौलेश्वर धाम चनेथू, महिलेश्वर नाथ धाम अनुवां,दुर्गा आदिशक्ति पीठ महरछा आदि गावों के मंदिरों में भक्तों ने जल चढ़ाया एवं पूजन अर्चन किया।इस अवसर पर सुरेंद्र नाथपांडेय, विजय बहादुर यादव, सतेंद्र पांडेय, कपिलदेव तिवारी, हरिश्चंद्र विश्वकर्मा, कलंदर पांडेय, राकेश यादव प्रधान, शेषधर तिवारी, धीरेंद्र पांडेय, श्यामकृष्ण पांडेय, आलोक सिंह प्रधान, गौरव राजपूत, रमन गौड़, विकास इलाहाबादी, रामेश्वर तिवारी, शिवकुमार तिवारी तेजस्वी, संजय दुबे, विकास शुक्ला, विकास सिंह, बाबा समाजसेवी सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे।

शिव भक्तों ने निकाली शिव बारात, हाथी घोड़ा और डीजे के साथ भक्तों ने लगाए ठुमके

मेजा रोड। महाशिवरात्रि की दोपहर मंगलवार को नगर पंचायत सिरसा में महाशिव समिति के द्वारा गाजे-बाजे के साथ शिव बारात की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा की शुरूआत नगर पंचायत सिरसा के श्रीनाथ बाबा मंदिर प्रांगण से की गई। शोभायात्रा अभिलिहवा, गुड़हट्टी कपसहाई होते हुए मुख्य बाजार से गुजर रही थी तब सड़क के दोनों तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। रथ पर सवार भगवान शंकर जिसमें हाथी,घोड़ा डीजे और सुंदर झांकी राधा कृष्ण, शंकर पार्वती,काली, भौरों बाबा आकर्षण का केंद्र बनी रही। ढोल नगाड़े व वाहनों के साथ निकली शोभायात्रा में शंख ध्वनि लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। शोभा यात्रा में शामिल शिव भक्त हर हर महादेव का जयघोष कर रहे थे। शोभा का नगर भ्रमण कराया गया। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर थाना प्रभारी मेजा तुषार दत्त त्यागी, चौकी प्रभारी सिरसा हरीश चंद्र पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। शिव बारात में महाशिव समिति के अध्यक्ष रामकृष्ण जायसवाल, अशोक अग्रवाल, सुरेश चंद्र केशरी,(कपड़ा वाले) रमेश केसरी जोशी, विनोद केसरी, सुरेन्द्र सेठ, कृष्ण कुमार (कल्लू) सभासद प्रतिनिधि सुशील केसरी कल्लू , सभासद अंकित केसरी (बच्चा) राकेश सेठ(गोलू) सहित सैकड़ों की संख्या में नगरवासी व क्षेत्रीय लोग रहे।

न्यूज झरोखा

कुशगढ शिव मंदिर में बडी संख्या में भक्तों ने किया जलाभिषेक

करछना। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर क्षेत्र के शिव मंदिरोंमें बडी संख्या में शिव भक्तों जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की और मंनते मांगी करछना के पचदेवरा में शिव भोले नाथ कीं बारात की झाँकी बड़े धूमधाम से निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में शिव भक्त बाराती बनें, वही कुशगढ शिव मंदिर में बडी संख्या में भक्तों ने पूजा अर्चना की, कुशगढ शिव मंदिर प्रांगण में मेले का आयोजन किया गया था।जहाँ पर भक्तों ने पूजा अर्चना के बाद महिलाओं ने जम कर खरीदारी की। तहसील के अंतर्गत ग्राम सभा पचदेवरा में महा शिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव बारात निकाली गई इस मौके पर ग्राम प्रधान गुलाम रसूल राजु विश्वकर्मा , मुनन्ना शुक्ला चड्ढ पासी विजय बाबू जिला पंचायत सदस्य , ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि अवतार किशन सिंह , मंगला प्रसाद गौड , एवम् समस्त ग्राम वासियों के नेतृत्व में शिव विवाह की झांकी के साथ पुरे गांव में भ्रमण किया गया इस मौके पर भारी संख्या में हिन्दु महिलाओं के साथ साथ मुस्लिम महिलाएं मौजूद रही और शिव पार्वती की झांकी देखकर मंत्रमुग्ध हुए।

हर-हर,बम-बम के नारो से गूंजा उठे शिवालय

प्रतापपुर। देवो के देव महादेव भगवान शिव व माता पार्वती के मिलन पर्व महाशिवरात्री पर भोगवारा मे स्थित प्राचीन श्री विश्वनाथ मंदिर सहित क्षेत्र शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही।भक्तों ने दर्शन,पूजन और अभिषेक कर भगवान महादेव से मन्नते माँगी।इस दौरान भक्तगण लगातार हर-हर,बम-बम महादेव की जय का उद्घोष करते रहे।वही महाशिवरात्रि पर भक्तों ने मनोकामना पूर्ण होने पर मंदिर पर निशान भी चढ़ाया जिसमे भक्त पूरे भक्तिभाव में डूबकर नृत्य भी करते रहे।भक्तों के दर्शन में कोई परेशानी न हो इसके लिए भोगवारा ग्राम प्रधानपति मिठाई लाल यादव, भुल्लन यादव, त्रिशूल यादव, सूर्या यादव, पंकज पांडेय, दीपक यादव, रोशन, रामू आदि सहयोग में लगे रहे।

शिवालयों में भक्तों ने की पूजा अर्चना

लालापुर। हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान शिव की आराधना,तपस्या और श्रद्धा से महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। महाशिवरात्रि पर उपवास और पूजा से भगवान शिव को प्रसन्न किया जाता है। महाशिवरात्रि पर भगवान शिव का अभिषेक करने का विशेष महत्व होता है।लालापुर के मनकामेश्वर मंदिर में मंगलवार को महाशिवरात्रि पर्व के कारण 04 बजे भोर से ही शिवभक्तों ने जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की।माना जाता है कि इसी दिन भगवान शिव और पार्वती का विवाह हुआ था। शास्त्रों की माने तों महाशिवरात्रि की रात ही भगवान शिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। इसके बाद से हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है।प्रयागराज शहर से लगभग 40 किमी० दक्षिण पश्चिम छोर पर विराजमान भगवान भूतेश का शिवलिंग भक्ति का अद्भुत संगम है।यमुना नदी के किनारे पहाड़ की चोटी पर विराजमान भगवान शिव का दर्शन पूजन करने के लिए दूर दूर से भक्त आते हैं और अपनी मनोकामना पूर्ण करतें हैं।कहा जाता है कि भगवान राम ने वनगमन के समय मनकामेश्वर शिवलिंग की स्थापना की थी।लालापुर के मनकामेश्वर धाम में हर भक्त की मनोकामना पूर्ण होती है।पहाड़ के चोटी पर विराजमान भगवान भूतेश का शिवलिंग भक्ति का अद्भुत संगम है।ग्राम प्रधान भटपुरा-लालापुर शंकरलाल पाण्डेय ने बताया कि मनकामेश्वर धाम में जो भी भक्त श्रद्धा और भक्ति भगवान शिव की पूजा अर्चना करता उसकी मनोकामना जरूर पूर्ण होती है।

चनेथू में शिव पार्वती विवाह संपन्न

जंघई। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर चनेथू शुक्लान गांव में केशव प्रसाद शुक्ल के निवास पर आयोजित शिवमहापुराण कथा में मंगलवार को शिव पार्वती का विवाह संपन्न हुआ।कथा व्यास विनोद आचार्य महाराज ने भोलेनाथ व माता पार्वती के विवाह के शादी के बार गगन विहार की कथा सुनाई।कथा सुनाते हुए महाराज ने कहा कि माता पार्वती ने हिमालय राज के यहां पर अवतरित हुए थे। पार्वती बचपन से ही भगवान भोलेनाथ को मानती थी। इसीलिए भोलेनाथ से माता पार्वती का विवाह हुआ।उन्होंने कथा सुनाते हुए कहा कि भोलेनाथ व माता पार्वती के विवाह के पहले से ही तारकासुर राक्षस का तीनों लोकों में अत्याचार था और उसका वध भोलेनाथ व माता पार्वती के पुत्र से होना था।

महाशिवरात्रि पर शिव बारात के साथ झूमें शिव भक्त

जंघई। भगवान शिव व माता पार्वती के मिलन पर्व महाशिवरात्री पर चंद्रमौलेश्वर महादेव धाम चनेथू सहित विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही।भक्तों ने दर्शन,पूजन और अभिषेक कर भगवान महादेव से अपनी मनोकामना पूर्ण होने की मन्नत मांगी ।इस दौरान भक्तगण लगातार हर-हर,बम-बम महादेव की जय का उद्घोष करते रहे।

यूनानी मेडिकल कालेज ने माघ मेला क्षेत्र में लगाया शिविर, किया स्वास्थ्य परीक्षण

प्रयागराज। माघ मेले के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि के मौके पर यूनानी मेडिकल कालेज, प्रयागराज ने मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, जिसमें हजारों लोगों ने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इस दौरान लोगों को दवाएं भी प्रदान की गईं। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशन पर ह्मआयुष आपके द्वारह्न के तहत यूनानी मेडिकल कॉलेज ने स्वास्थ्य परीक्षण व दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन में भी जिला अपराध निरोधक समिति ने अहम भूमिका निभाई। यूनानी मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के प्राचार्य/अधीक्षक प्रोफेसर अब्दुल वाहिद अंसारी, चिकित्साधिकारी डॉक्टर अब्दुल्ला अंसारी द्वारा माघ मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर काआयोजन कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जानकारी दी गई। उपाधीक्षक डा. अहमद अली (राजकीय यूनानी मेडिकल कॉलेज), डॉक्टर समीरा हमीद (महिला रोग विशेषज्ञ), डॉक्टर मोहम्मद फैज, डॉक्टर तारिक के द्वारा दमा, गठिया, पेट रोग, चर्म रोग इत्यादि के सैकड़ों रोगियों का परीक्षण कर औषधि वितरण किया गया। जिला अपराध निरोधक समिति के सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव ने मेले में आए हुए जनमानस की सेवा में लगे रहने की प्रेरणा देते हुए कोविड-19 नियमों का पालन करने का संदेश भी दिया। कैंप के संचालन में शोएब आलम, आयुष जायसवाल, बीके पांडेय, सुरेश कुमार, संदीप सोनी, गणेश, मोहन श्रीवास्तव, डा. एसपी शर्मा, राहुल मिश्रा, अमन कुमार, विधिक सलाहकार लक्ष्मीकांत मिश्र, यातायात प्रभारी कुलदीप घर, यूथ टीम प्रभारी शिवा त्रिपाठी, विशाल श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह, रमेश मिश्र, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से राजेंद्र प्रसाद पांडेय एवं सुरेश कुमार गौड़ का विशेष सहयोग रहा।

माघ मेला का अंतिम दिनः डीसीपीसी की सेवा भावना सराहनीय

प्रयागराज। माघ मेला 2022 के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर उमड़े स्नानार्थियों की सुविधा और सेवा के लिए पुलिस, प्रशासनिक महकमे के साथ जिला अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारी और सदस्य डटे रहे। समिति के प्रयागराज के नगर क्षेत्र/ गंगापार /यमुनापार के स्वयं सेवकों के साथ ही थाना क्षेत्र झूंसी, नैनी और औद्योगिक क्षेत्र, मेजा, खीरी, कोरांव, करछना, मांडा, सोरांव नवाबगंज, होलागढ़, हंडिया, फाफामऊ, बहरिया,शंकरगढ़ आदि के हजारों स्वयंसेवकों ने स्नान घाटों, शिव मंदिरों, शिवालयों के लिए आए जनमानस का सहयोग करते हुए मेले को सकुशल संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी स्नान घाटों के अतिरिक्त पांटून पुलों, मेला प्रवेश द्वार, निकास द्वार, बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर भी स्वयंसेवकों ने यातायात में पुलिस प्रशासन का सहयोग किया। अंत में सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के निस्वार्थ भाव से की गई सेवा की सराहना की। कहा कि माघ मेला-2022 के कुशल समापन में समिति ने पूरी ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य बधाई के पात्र हैं।

आल इंडिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में अभिश्री को सफलता

शंकरगढ़। न्यू चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल शंकरगढ़ की कक्षा पांच की छात्रा अभिश्री सिद्धि ने आल इंडिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में सफलता पाई है। अभिश्री की सफलता पर विद्यालय स्टाफ ने खुशी जाहिर करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय के प्रबंधक प्रकाशचंद्र मिश्र ने बताया कि अभिश्री के पिता राजीव रंजन, शंकरगढ़ रेलवे स्टेशन पर प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। अभिश्री उनके विद्यालय की होनहार छात्रा है। अभिश्री ने कक्षा एक से पांच तक की पढ़ाई न्यू चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल से की है।

प्रबंधक ने बताया कि अभिश्री ने हर क्लास में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्वअध्ययन की बदौलत ही अभिश्री ने सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा में सफलता अर्जित की। इसके लिए प्रबंधक ने विद्यालय के स्टाफ और उसके अभिभावकों के प्रयास की सराहना की है।

जसरा में मनाया गया विज्ञान दिवस

एलेक्स फाउंडेशन के बैनर तले गोष्ठी का किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

जसरा। जसरा में एलेक्स फाउंडेशन की ओर से विज्ञान दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने सीवी रमन समेत भारतीय वैज्ञानिको को याद किया और बताया कि विज्ञान जीवन के विकास एवं विनाश की आधार शिला है। ग्रामीण भारत के अधिकतर स्कूल एवं कालेज में विज्ञान प्रयोगशाला की कमी है । जिसमें ब्यौहारिक ज्ञान से लोग दूर है। प्रौद्योगिकी का विकास सिर्फ कंपनियों के बीच में रहा । यह विकास समग्र समाज में होना चाहिए। भारत कृषि प्रधान देश है भारत की कृषि व कृषि से जुड़े लघु उद्योगों को सरकारी सहयोग से वैज्ञानिक रूप से कराया जाय तो भारत में नई क्रांति आ सकती है। समाज में विद्यमान आडंबर पिछड़ापन साबित करता है। भारतीय समाज विज्ञान से आज भी कोसो दूर है। विज्ञान के बिना मानव का जीवन अधूरा है। गोष्ठी को वैज्ञानिक डा० पीके शुक्ल,बालगोविंद,धीरज,नौजवान भारत सभा के भीम लाल आदि ने संबोधित किया। संचालन पवन यादव ने किया। इस अवसर पर सुमित, तिलकराज, अखिलेश, सुभा भारतीय, शिवा आदि उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी, शिवालयों में गूंजे जयकारे

गंगास्थान के पश्चात गंगा आरती करती श्रद्धालु महिला

महाशिवरात्रि पर गंगा में पुण्य की डुबकी लगाते श्रद्धालुओं की भीड़

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला के आखिरी स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर मंगलवार को संगम में पुण्य की आखिरी डुबकी के लिए आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। संगम समेत पांच हजार वर्ग मीटर लंबे गंगा घाटों पर हर हर महादेव के जयघोष से संगम क्षेत्र शिवमय हो गया।घाटों पर हल्दी-चंदन के टीके लगाकर महिलाएं गंगा पूजन करती रहीं और समूहों में जगह-जगह मंगलगीत गाए जाते रहे। रेती पर दीपदान, ध्यान और अनुष्ठान हो रहे हैं। मेला प्रशासन का दावा है कि दोपहर दो बजे तक लगभग साढ़े तीन लाख श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। इसी तरह महाशिवरात्रि पर शिवालयों में सुबह से ही आस्था की कतारें लग गई हैं। मनकामेश्वर महादेव मंदिर में यमुना तट स्थित मंदिर से लेकर मुख्य सड़क तक लोग अपनी बारी के इंतजार में खड़े रहे। सोमेश्वर, भरद्वाजेश्वर समेत अन्य शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए लंबी कतार लगी रही।

मनकामेश्वर महादेव मंदिर में लगा श्रद्धालुओं का तांता

प्रयागराज। के यमुना किनारे स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर के महंत स्वामी धरानंद ब्रह्मचारी के मुताबिक महाशिवरात्रि भगवान भोले शंकर और माता पार्वती के विवाह का दिन है। उनके मुताबिक मनकामेश्वर महादेव मंदिर सतयुग से यहां विद्यमान है। त्रेता युग में भगवान श्री राम ने वन जाते हुए माता जानकी के साथ यहां पर पूजा अर्चना और रुद्राभिषेक किया था। ऐसी मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु सच्ची श्रद्धा और आस्था से देवों के देव महादेव को जल अर्पण करते हैं, रुद्राभिषेक करते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसलिए रात्रि के चार पहर में महा रुद्राभिषेक होते हैं। सायं आरती के बाद चार पहर मंदिर में महा अभिषेक किया जाता है। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और भंडारे का भी इंतजाम किया गया है। स्वामी धरानंद ब्रह्मचारी के मुताबिक आज के दिन सच्चे मन से जो भी श्रद्धालु भगवान भोले शंकर को जो वस्तु है उन्हें प्रिय हैं बेलपत्र धतूरा गंगा जल अर्पित करेगा उसकी मनोकामनाएं निश्चित तौर पर पूरी होंगी।

चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस के स्पेशल जवान

माघ मेला के आखरी स्नान पर्व पर मेला क्षेत्र में प्रशासन की तरफ से पुलिस बल तैनात किए गए थे आखरी स्नान पर्व पर संगम में डुबकी लगाने के लिए आसपास शहर के लोग महाशिवरात्रि स्नान पर बड़ी संख्या में संगम में डुबकी लगाते हैं जिसको देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही भीड़ को कंट्रोल करने के लिए तैयारी बना कर रखी' आने जाने वाले हर श्रद्धालु पर नजर भी रखे हुए थे किसी प्रकार की कोई अनहोनी ना हो इसको देखते हुए मेला क्षेत्र में सतर्कता बरती जा रही थी तथा बीच-बीच में पुलिस के अधिकारी गस्त करते दिख रहे थे।

महाशिवरात्रि पर्व पर उमड़ा शिव भक्तों का हुजूम

शिवरात्रि के महापर्व पर शिव भक्तों ने किया जल अभिषेक

जारी। जारी कस्बे में प्राचीन बड़े हनुमान जी के मंदिर में धूमधाम से महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जा रहा है। जहां भोर से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ इकट्ठा होना शुरू हो गई है । तो वहीं विभिन्न क्षेत्र के शिवालयों में दूध और गंगाजल से अभिषेक कर सारे दिन व्रत का पालन करते हुए भगवान शिव से उनके भक्त अध्यात्म शांति और समृद्धि की पूजा करेंगे, खासतौर से महिलाओं में माना जाता है कि, महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय होगा। पौराणिक मान्यताओं में भी भगवान शिव की आराधना के लिए शिवरात्रि का दिन महत्वपूर्ण माना जाता है। भगवान शिव अघोर एवं शक्ति के स्वरूप के उपासक हैं। हर चंद्र मास का चौदहवाँ दिन अथवा अमावस्या से पूर्व का एक दिन शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। जो फरवरी-मार्च माह में आती है। इस रात, ग्रह का उत्तरी गोलार्द्ध इस प्रकार अवस्थित होता है कि मनुष्य भीतर ऊर्जा का प्राकृतिक रूप से ऊपर की और जाती है। यह एक ऐसा दिन है, जब प्रकृति मनुष्य को उसके आध्यात्मिक शिखर तक जाने में मदद करती है। इस परंपरा में, हम एक उत्सव मनाते हैं। वास्तव में महाशिवरात्रि? भगवान भोलेनाथ की आराधना का ही पर्व है, जब धर्मप्रेमी लोग महादेव का विधि-विधान के साथ पूजन अर्चन करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस दिन शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है, जो शिव के दर्शन-पूजन कर खुद को सौभाग्यशाली मानती है। महाशिवरात्रि? के दिन शिव जी का विभिन्न पवित्र वस्तुओं से पूजन एवं अभिषेक किया जाता है और बिल्वपत्र, धतूरा, अबीर, गुलाल, बेर, उम्बी आदि अर्पित किया जाता है। भगवान शिव को भांग बेहद प्रिय है अतः कई लोग उन्हें भांग भी चढ़ाते हैं। दिनभर उपवास रखकर पूजन करने के बाद शाम के समय फलाहार किया जाता है।

प्राचीन श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर में भक्तों की लगी अपार भीड़, शिवलिंग की पूजा पाठ करते भोले बाबा के भक्त

चंद्रकुंड घाट से गंगा यमुना का स्नान कर शिवलिंग पर अर्पित किया जल

शिव भक्तों ने शिवलिंग की पूजा पाठ कर कमाया पुण्य, हर-हर महादेव की गूंज से गूंज उठा शिवालय

नैनी। महाशिवरात्रि के पर्व पर प्रयागराज समेत नैनी क्षेत्र में स्थापित शिव मंदिरों में मंगलवार सुबह से ही भक्तों की भीड़ जुटी रही, यह सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। भक्त शिवलिंग पर गंगाजल, बेलपत्र, धतूर फूल-माला, भांग, दूध व अक्षत समेत आदि पूजन सामग्रियों से पूजा अर्चना करते हुए पुण्य कमाया। कई शिव भक्तों ने मान्यता के मुताबिक मंदिर परिसर में पंडितों के द्वारा रुद्राभिषेक भी कराया। शिव भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए प्रशासन की टीम तैनात रही। नैनी के प्राचीन श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर के पुजारी शैल पुरी व हरवेन्द्र पुरी (सोनू) महाशिवरात्रि के पर्व पर मंगलवार भोर श्री सोमेश्वर नाथ घाट (चंद्रकुंड घाट) से विश्व विख्यात है। उक्त पुजारी गंगा यमुना स्नान करने के बाद गंगाजल लेकर सीधे मंदिर पहुंचे और शिवलिंग पर विशेष श्रृंगार के तहत पूजा पाठ की। इसके बाद भक्तों की भीड़ वहां पर जुटने लगी। सुबह होते-होते शिव भक्तों की लंबी कतार लग गई। एक-एक करके कपाट के अंदर भक्त पहुंचे और भोले बाबा की पूजा पाठ करते हुए पुण्य कमाया। वहीं हर-हर महादेव की गूंज से शिवालय दिन भर गूंजता रहा। मंदिर परिसर के बाहर कई समाजसेवी संगठनों के द्वारा भोले बाबा के भक्तों को जलपान भी कराया गया। देर शाम को शिवलिंग का भव्य श्रृंगार किया गया और महंत राजेंद्र पुरी, पुजारी, हरवेन्द्र पुरी व शैल पुरी ने मौजूद शिव भक्तों के बीच परंपरा के मुताबिक पूजा पाठ किया और शिव भक्तों के द्वारा रुद्राभिषेक भी किया गया। वहीं प्राचीन श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर को शिव भक्तों के द्वारा भव्य रूप से सजावट किया गया था। इतना ही नहीं देर रात तक शिवलिंग की पूजा पाठ शिव भक्तों के द्वारा किया गया। इसी प्रकार औद्योगिक क्षेत्र के नेवादा समोगर गांव के समीप स्थापित प्राचीन श्री समोगर नाथ बाबा के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ सुबह से लेकर देर शाम तक जुटी रही और मंदिर के मुख्य पुजारी कमल गिरि के नेतृत्व में पंडितों द्वारा पूजा पाठ किया गया और रुद्राभिषेक का भी आयोजन किया गया।

बोट क्लब क्षेत्र के पास गरीब बस्ती में प्रसाद वितरण करते इन्दुस्थली फाउंडेशन के लोग

इंदूस्थली फाउंडेशन ने मनकामेश्वर मंदिर के पास गरीब बस्ती के लोगों को किया प्रसाद वितरण

प्रयागराज। इंदूस्थली फाउंडेशन द्वारा महाशिवरात्री के दिन मंगलवार को मनकामेश्वर मंदिर के पास बोट क्लब क्षेत्र मे रह रहे गरीब लोगो के बस्ती मे आज संस्था द्वारा खाना खिलाया गया ! संस्था का उद्देश्य हैं कोई गरीब भूखा ना सोये इसके लिए आपसे अपील हैं की एक दूसरे का सहारा बने । इस दौरान संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुजल कृष्णा, सिद्धार्थ, निलेश कुमार, अभिषेक, संजय यादव, प्रकाश सिह ,रौनित, दिलीप आदि ने प्रसाद वितरण में सहयोग किया।

शिव पूजा का अभ्यास कराते स्वामी श्री योगी सत्यम

शिवरात्रि महापर्व पर शिव शक्ति का अभ्यास करते साधक

क्रियायोग आश्रम में मनाया गया शिवरात्रि महापर्व

अखंड भारत संदेश

क्रियायोग में वर्णित दर्शन, सिद्धांत के अनुसार हुई शिव पूजा

प्रयागराज। अद्भुत प्रयागराज के गंगा तट पर स्थित क्रियायोग आश्रम में मंगलवार को क्रियायोग सिद्धांत के अनुसार आए हुए देश व विदेश के साधकों ने अंतर्राष्ट्रीय क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम के सानिध्य में क्रियायोग विधि से शिव पूजा किए ' पूजा व आराधना के इस वास्तविक स्वरूप व प्रभाव को विस्तार से स्पष्ट करते हुए स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने बताया कि पूजा से मनुष्य के अंदर बंद शिव नेत्र खुल जाता है जिसके खुलने से मनुष्य अनुभव करता है कि उसके वह सर्वज्ञ तत्व सर्वशक्तिमान तत्व के बीच दूरी शून्य है इस अवस्था में हम अनुभव करते हैं कि हमारा स्वरूप परम शांतिमय,परम आनंदमय एवं अमर अस्तित्व है कथा स्वामी जी ने बताया कि परंपरागत प्रचलित शिव पूजा बच्चों के खेल के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है।

कोल से भरा ट्रक पलटा, एंबुलेंस कर्मी ने पहुंचाया जिला चिकित्सालय

प्रयागराज। हरियाणा से कोल (डामर) लादकर आ रहा ट्रक प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर गांव के पास अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्?ढे में पलट गया। चालक भी ट्रक के नीचे दब गया और और कोल उसके ऊपर बहता गया। चालक पूरा दिन डामर में ढक गया।दिन भर चालक उसके नीचे दबा रहा। देर शाम गांव के कुछ लड़कों ने इस घटना को देखा तो तत्काल 108 पर कॉल कर एंबुलेंस बुला ली। गंभीर स्थिति में चालक को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायलअवस्था में ट्रक ड्राइवर

कोल लेकर जा रहा था वाराणसी

हरियाणा के गुड़गांव पंचकुला निवासी 40 वर्षीय रामनवाज ट्रक चालक है। वह मंगलवार को ट्रक में कोल लादकर हरियाणा से वाराणसी पहुंचाने जा रहा था। प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर गांव के पास वह ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था तभी ट्रक अनियंत्रित हो गया और चालक लेकर ट्रक लेकर हाईवे किनारे स्थित गड्?ढे में जाकर गिरा। दिन भर चालक रामनवाज ट्रक के नीचे दबा रहा और मरणासन्न स्थिति में जा पहुंचा।108 एंबुलेंस के ईएमटी घनश्याम पायलट सुनील कुमार ने गंभीर रूप से घायल रामनवाज को ले सीएचसी कौड़िहार ले गए जहां से डाक्टरों ने मरीज की गंभीर हालत देखकर एसआरएन अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। फिर 108 ऐबुलेंस से ही एसआरएन अस्पताल ले गए जहां उसका इलाज चल रहा है।

भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा गुरुवार से

सहसों। क्षेत्र के सिंगरामऊ गांव में भगवत प्रेमी भक्त श्री राधेश्याम मित्र एवं श्रीमती विश्ववती देवी के संयोजन में 3 मार्च गुरुवार से कलश यात्रा के साथ परमसत्ता सीन परमेश्वर की कृपा से श्रीमद् भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कथा व्यास पूज्य श्री सुयश जी महाराज राम बाबा जी के मुखारविंद से संगीतमय भगवतकथा का रसपान प्रतिदिन सायंकाल 3 बजे से 7 बजे तक श्रवण कराया जाएगा। तत्पश्चात कथा के अंत में 11 मार्च शुक्रवार को पूणार्हुति हवन एवं महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया है। उक्त आशय की जानकारी मुख्य यजमान एवं कथा व्यवस्थापक राधेश्याम मिश्र ने दी।

हंडिया विधानसभा के एक बूथ पर होगा दोबारा मतदान

प्रयागराज। प्रयागराज जिले की हंडिया विधानसभा सीट के मानिकपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में बने बूथ नंबर 311 पर तीन मार्च को दोबारा मतदान होगा। यहां 27 फरवरी को हुए मतदान के बाद जरूरी दस्तावेज गायब हो गए थे। जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से संबंधित पोलिंग अधिकारियों के खिलाफ सोमवार को ही प्रयागराज में मुकदमा कायम करा दिया गया था और आयोग को पूरे मामले की रिपोर्ट भेज दी गई थी। अब आयोग ने उक्त बूथ पर दोबारा मतदान कराने का फैसला किया है। मैनपुरी के करहल के बाद यह दूसरी जगह है जहां दोबारा मतदान कराया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर्व पर गाना प्रस्तुत कर रहे भजन गायक सूर्या व साथी कलाकार

राधे-राधे रॉक बैंड ग्रुप मुंबई का महा शिवरात्रि पर्व पर ऐतिहासिक प्रस्तुति

अखंड भारत संदेश

सुप्रसिद्ध भजन गायक सूर्या ने बांधा समां

प्रयागराज। राधे-राधे रॉक बैंड ग्रुप मुंबई द्वारा प्रयागराज के दो ऐतिहासिक शिव स्थल नागेश्वर मंदिर छतनाग व सोमेश्वर महादेव में एक बार फिर से हर हर महादेव गुंजायमान हो उठा ' मुंबई से आए सुप्रसिद्ध भजन गायक सूर्य प्रकाश द्विवेदी सूर्या ने महादेव के जयकारे से पूरा माहौल बदल दिया तथा प्रयागराज को काशी में तब्दील कर दिया सूर्या ने भोलेनाथ के जयकारे के बाद एक से बढ़कर एक भजन श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किए ' आई आई आई शिवरात्रि है आई, बम बम बोल रहा है काशी, मेरा भोला है भंडारी करे नंदी की सवारी, जैसे तमाम भजन श्रोताओं को सुनाएं आपको बताते चलें कि भजन गायक सूर्य प्रकाश द्विवेदी प्रयाग गौरव रत्न से सम्मानित हो चुके तथा टी सीरीज के बैनर तले कई फेमस भजन रिकॉर्डिंग कर लोगों के बीच प्रस्तुत किए व बहुत सारे आने वाले प्रोजेक्ट अभी बाकी है ' महाशिवरात्रि पर्व कार्यक्रम के दौरान सूर्या जी का साथ गायिका सोनी द्विवेदी व रेखा गुप्ता ने भी एक से बढ़कर एक भजन सुनाए तथा गानों पर मंत्रमुग्ध होकर श्रोताओं ने खूब ठुमके भी लगाए।

धरवारा गांव के समीप टोंस नदी में नहाने के दौरान एक युवक की मौत

करछना। थाना क्षेत्र के धरवारा गांव निवासी आनंद पटेल 17 पुत्र कल्लू घर पर आए कुछ रिश्तेदारों के साथ मंगलवार को धरवारा गांव के समीप टौंस नदी में नहाने गया था जहा नहाते समय वह गहरे पानी में समा गया जिससे उसकी मौत हो गई परिजन शव को नदी से निकाल कर बिना पुलिस कार्यवाही के उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

लापता युवक नही लौटा घर परिजन परेशान

करछना। बीते 19 फरवरी को घर से बाजार के लिए निकले एक युवक के लापता हो जाने के बाद से परेशान है।बसही गांव निवासी बऊ हरिजन पुत्र चन्द्रमा प्रसाद घर से बसही बाजार के लिए निकला था।लेकिन काफी रात तक वह घर नही लौटा तो परिजन परेशान हो उठे और युवक की तलाश शुरू कर दिया।सगे सबधियो में भी उसकी खोजबीन किया और फोन के माध्यम से संपर्क किया किन्तु आज तक उसका कही अता पता न चल सका। सप्ताहरभर तलाश करने के बाद निराश परिजनों ने करछना पुलिस से मदद् की गुहार लगाई है।

दो बाइको की आमने-सामने भिंडत मे दो घायल

करछना। क्षेत्र के करछना कोहडार मार्ग पर बरदहा नाले के समीप नैनी से वापस अरई अपने घर लौट रहा बाइक सवार रामकुमार व सोनू जैसे ही उक्त नाला के समीप पहुचा कि सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक मे जोरदार भिडत हो गई जिससे रामकुमार और सोनू को काफी चोटे आई जबिक सामने से आ रहा दूसरा बाइक सवार भी चुटहिल हो गया।सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस ने घायलो को सीएचसी भेजवाया जहा प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया।

गंगा घाटो और शिवालयो पर जुटी भक्तो की भीड़

करछना। महा शिवरात्रि के अवसर पर क्षेत्र के गंगा घाटो और प्राचीन शिवालयो पर भक्तो ने गगा स्नान के बाद शिवालयो मे जलाभिषेक कर सुख सवृद्दि की कामना की।सुबह से ही मनैया और डीहा गंगा घाटो पर स्नान दान कर पुण्य लाभ लिया इसी तरह कुशगढ स्थित प्राचीन शिव मदिर,करछना स्थित सगरा पर और जरकुटी महादेव मदिर मे जलाभिषेक किया।क्षेत्र के कई गावो से महिलाओ समेत लोगो की भारी भीड जुटी रही वही मदिरो मे अखण्ड कीर्तन का भी आयोजन किया गया शिवालयो को भव्य ढग से फूलो और विद्युत लाइटो से सजाया गया था कई मदिरो मे रूद्राभिषेक भक्तो द्वारा किया गया।

जसरा में समाजसेवियों ने महाशिवरात्रि पर भंडारा कर प्रसाद का किया वितरण

जसरा। जसरा में समाज सेवकों ने महाशिवरात्रि के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया। जिसमें शिव भक्तों को प्रसाद का वितरण किया । जसरा मंगलवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर जसरा के समाजसेवी अनिल कुमार केसरवानी में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया । जिसमें सैकड़ों की संख्या में शिव भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राजमार्ग से गुजरने वाले लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर जीतू केसरवानी ,सुधीर केसरवानी बच्चा, वासु केशरवानी, जिन्ने कुशवाहा ,हरि केसरवानी, लाडो केसरवानी आदि लोग उपस्थित रहे।

तमंचे से फायर कर रहे दो युवकों का वीडियो हुआ वायरल

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज। पुलिस प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद वैवाहिक समारोहों मे हर्ष फायरिंग के मामले थम नहीं रहे हैं। सराय इनायत के एक गेस्ट हाऊस मे वैवाहिक कार्यक्रम में हुई हर्ष फायरिंग का एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पुलिस ने घटना को संज्ञान मे लेते हुए कार्यवाही शुरू कर दी है। सराय इनायत थाना क्षेत्र के हबूसामोड़ स्थित एक गेस्ट हाऊस मे वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान दो युवक तमंचा से फायर कर रहे हैं जिसकी वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस सकेते मे पड़ गयी और वीडियो के जरिए पहचान करके दोनों युवकों के घर पुलिस दबिश देकर उनके परिजनों को उठाना शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि गेस्ट हाऊस मालिक के लड़की की शादी थी और तमंचे से फायर कर रहा एक युवक एक लड़की का ममेरा भाई और दूसरा उसका दोस्त है। थानाध्यक्ष सराय इनायत सुशील कुमार दुबे ने बताया कि वायरल वीडियो एक साल पुराना है। वीडियो के बाद से ही दोनों युवकों की तलाश की जारही है उनके करीबियों को पुलिस ने हिरासत मे लेकर पूंछतांछ शुरूकर दिया है बहोत जल्द दोनों को गिरफ्त मे लेकर कार्यवाही की जाएगी।

अवैध तमंचे से फायर करता युवक

मेजा में अवैध तमंचे से प्रदर्शन करने वाला बाल अपचारी गिरफ्तार

सिरसा। प्रयागराज मेजा पुलिस ने सोशल मीडिया पर अवैध तमंचा से प्रदर्शन करने वाले बाल अपचारी को गिरफ्तार कर मुकदमा पंजीकृत किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के शुकुलपुर गांव निवासी मनीष कुमार (17) पुत्र लालबहादुर के द्वारा अवैध तमंचे के साथ शस्त्र प्रदर्शन करते हुए फोटो खींचकर फेसबुक पर पोस्ट किया था। जिसको संज्ञान में लेते हुए मेजा पुलिस ने खोजबीन शुरू किया। मेजा कोतवाल तुषार दत्त त्यागी के निर्देश पर पुलिस चौकी प्रभारी जेवनिया आशीष कुमार चौबे ने पुलिस टीम के साथ उक्त बाल अपचारी मनीष कुमार को चौकी परिक्षेत्र के शुक्लपुर गांव के एक इंटर कालेज के गेट के पास से गिरफ्तार किया। कोतवाल मेजा तुषारदत्त त्यागी ने बताया कि उसके कब्जे से एक देशी तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। जिसके आधार पर आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अगली कार्रवाई की जा रही है।

बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन करने के लिये भोर से ही उमड़ा जनसैलाब

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा घुइसरनाथ धाम मे भोर होते ही आस्था का सैलाब उमड़ पडा दिखा। मंगलवार को भोर होते ही शिव-भक्तों के जलाभिषेक का उल्लास दोपहर तक तो एक नया रिकार्ड बनाता इस बार दिखा। भोर की किरण फूटते ही बाबा का जलाभिषेक एवं दर्शन पूजन करने के लिए लाखो श्रद्धालु पंक्तिबद्ध हो उठे दिखे। वहीं सांगीपुर समेत कई थानों की फोर्स श्रद्धालुओं की भीड़ देख धाम मे सुरक्षा प्रबन्धों को लेकर कड़ी मशक्कत मे देर शाम तक दिखी। श्रद्धालु आदिगंगा सई नदी के तट से मंदिर के मुख्य गेट तक दो कतार मे पंक्तिबद्ध हो बाबा की एक झलक पाने की उत्सुकता मे भी दिखे। श्रद्धालु महिलायें भी बाबा भोलेनाथ को जलाभिषेक करती हुई ओम नमः शिवाय के जाप मे मगन दिखी। वहीं शिवभक्तों ने बाबा को प्रसन्न करने के लिए बेल पत्र व पुष्प आदि चढ़ाते हुये घुइसरनाथ बाबा के गगनभेदी जयघोष मे रमें दिखे। श्रद्धालुओं के

भोर की किरण फूटी तो शिवमय हो उठा बाबा घुइसरनाथ धाम

बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन करने को उमड़े श्रद्धालु।

दर्शन पूजन मे सुरक्षाबलों के साथ स्वयंसेवी संस्थाओ के कार्यकताओं के द्वारा भी व्यवस्था सुगम बनाने मे पसीना बहाते देखा गया। सई नदी के साथ श्रद्धालु पवित्र गंगासागर मे भी गोते लगाते जलाभिषेक करने को आतुर हो उठे थे। सई नदी मे पुलिस ने बैरीकेटिंग के साथ गोताखोरो की भी ऐहतियातन व्यवस्था भी कर रखी थी। वहीं लालगंज-सांगीपुर हाईवे पर श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए डभियार तथा देउम के पास बैरियर लगाकर भारी वाहनों को बाबा धाम मे प्रवेश करने से रोकने मे पसीना-पसीना हो रही थी। पूरे धाम मे पुलिस तथा पीएसी के साथ महिला पुलिस बिंग व पुलिस की खुफिया एजेंसी को हाई अलर्ट मे देखा गया। इसी प्रकार बाबा बेलखरनाथ में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया।

प्रमोद व मोना ने बाबा को टेका मत्था

लालगंज प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि पर मंगलवार को बाबा धाम में सदभावना सभा मे शामिल होने आये पूर्व सांसद एवं बाबा घुइसरनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद तिवारी सुबह सबसे पहले अपनी विधायक पुत्री एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना व परिवार के सदस्यों के साथ बाबा का दर्शन करने पहुंचे।

बाबा भोलेनाथ की भक्ति में डूबा बेल्हा शहर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर के मंदिरों में आज सुबह से ही बाबा भोलेनाथ के जयकारों के साथ पूजा-पाठ व जलाभिषेक होता रहा। रेलवे स्टेशन रोड के हनुमान मंदिर में सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक अखण्ड ओम नमः शिवाय का जाप ढोल मंजीरा के साथ होता रहा। हनुमान मंदिर के पुजारी दुर्गेश तिवारी व अंकुर तिवारी बताते हैं कि हनुमान मंदिर के सामने वृक्ष के नीचे शिवलिंग की पूजा अर्चना में हजारों लोग आए। उन्होंने भी अखण्ड ओम नमः शिवाय के जाप में हिस्सा लिया। इसी प्रकार प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन के सामने पार्क में स्थित शिव मंदिर में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुषों व बच्चों ने बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग पर दूध शहद चढ़ाकर पूजा अर्चना की। नगर के बेल्हा देवी मंदिर में भी श्रद्धालुओं का जमावड़ा रहा। सुबह से ही वहां भीड़ आनी शुरू हो गई थी। लोग कतारबद्ध होकर बेल्हा देवी मंदिर के बगल के शिव मंदिर में जलाभिषेक करते रहे। सबसे अच्छी बात यह थी कि शहर के मंदिरों के आगे नगर पालिका ने सफाई कर चूने का छिड़काव किया था। बाबा भोलेनाथ की आराधना कर रहे लोगों का कहना था कि इस बार भोलेनाथ की कृपा से कोरोना का भय नहीं है, इसलिये लोगों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

महाशिवरात्रि पर्व पर शिव मंदिरो में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि के पावन पर पर्व पर मंगलवार को श्रद्धालुओ ने कालाकांकर के पवित्र गंगा में स्नान कर शिव मंदिरों में जलाभिषेक किया। क्षेत्र के कालाकांकर गंगातट किनारे स्थिति बूढे शिव लिंग मंदिर में पूर्व सांसद एवं कालेज प्रबंधिका राजकुमारी रत्ना सिंह ने भगवानशिव की पूजन अर्चन कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना किया और कृषि विज्ञान केंद्र ऐठू में आयोजित हवन पूजा में भाग लिया। दूधाधारी शिवलिंग लिंग मन्दिर मुरस्सापुर सोनामऊ गंगाघाट किनारे स्थिति शिव लिंग मन्दिर में पूर्व ग्राम प्रधान जीवन लाल यादव व ग्रामप्रधान एवं समाज सेवी सुरेश कुमार यादव शिव लिंग मन्दिर में जलाभिषेक किया और परिवार की सुख सम्रद्धि की कामना किया मन्दिर परिसर में एक दिवसीय मेला का भी आयोजन किया और मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया शांतिपूर्ण तरीके से मेला का समापन किया गया। नवाबगंज थाना क्षेत्र के सीमावर्ती बड़ागांव हरिहर पुर में बाबा गौरीशंकर शिवलिंग मन्दिर में सुबह चार बजे से जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

एक करोड़ की स्कॉलरशिप के साथ टेक्सास में पीएचडी करेंगे अंकित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के बच्चों के लिए अंकित ने उदाहरण प्रस्तुत किया है उन्होंने प्रेरणा देते हुए यूएसए के टैक्सास यूनिवर्सिटी में न केवल दाखिला लिया बल्कि एक करोड़ की स्कॉलरशिप भी प्राप्त की। बता दें किअंकित सिंह का टेक्सास स्थित माय बिजनेस स्कूल, टेक्सास यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में चयन मार्केटिंग पीएचडी में हुआ है।

अंकित नगर के पूर्वी सहोदर पुर निवासी पूर्व सभासद नागेंद्र सिंह का बेटा है। इस उपलब्धि के लिए उसे एक करोड़ से अधिक की स्कालरशिप पांच साल की अवधि

अंकित

में संस्थान द्वारा प्रदान की जाएगी। अंकित ने अपनी शुरूआती पढ़ाई नगर मुख्यालय से की है। उसके पश्चात इन्होने जेपी यूनिवर्सिटी कॉलेज से इंजीनियरिंग डिग्री की है। इसके साथ ही इन्होने आनंद स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट से मास्टर्स इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन किया है। अंकित सिंह ने मल्टीनेशनल कम्पनीज में भी अनुभव लिया है। अंकित सिंह ने आईआईएम उदयपुर में रिसर्च के पोजीशन पर कार्यरत है। अंकित इसका श्रेय अपने परिवार में माता किरण सिंह, पिता नागेंद्र प्रताप सिंह, बहिन आस्था सिंह, ताऊ सुरेंद्र सिंह और ताई सरोज सिंह को देते है। इसके साथ ही अंकित अपने मेंटर्स प्रोफेसर प्रकाश, प्रोफेसर आशीष ,और प्रोफेसर वेदा को अपनी शिक्षा में सहयोग का श्रेया देते है।

एकता महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में भजन व गीत संगीत पर झूमे शिवभक्त

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम मे सत्ताइसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव में सांस्कृतिक संध्या की पहले दिन की शुरूआत मे भोजपुरी तथा बिरहा गायन के जरिए बाबा भोले की आराधना का सुर गूंजा। प्रख्यात बिरहा गायक जगन्नाथ यादव तथा भोजपुरी गायक चंद्रकांत पाण्डेय के शिव स्तुति को देख लोग गोते लगाते देखे गये।

बाबा घुइसरनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं एकता महोत्सव के संस्थापक प्रमोद तिवारी ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि परम्परागत महोत्सव हमारी एकता तथा अमन व शांति की मजबूती का अनुपम संदेश दिया करता है। प्रख्यात बिरहा गायक जगन्नाथ यादव के द्वारा जब धन्य हो भोले नाथ, धन्य हो भोलेनाथ, जय हो बाबा घुइसरनाथ महिमा तोहार न्यारी बा पर शिवभक्त भक्ति भावना मे गोते लगाने लगे। वहीं लव नारायण तिवारी तथा जगदीश तिवारी ने भी जेकर नाथ भोले नाथ उ अनाथ कैसे होई पर भी हर हर महादेव का शंखनाद गूंजता दिखा। भोजपुरी गायक चन्द्रकान्त पाण्डेय ने भी भगवान शिव की महिमा का हे घुश्मेश्वर नाथ तेरी जय होवे से बखान किया तो बाबा की नगरी देवाधिदेव महादेव के जयकारे से गूंज उठी। वहीं चंद्रकांत पाण्डेय ने भंवरवा के तोहरा संग जाई लोक गीत की मनमोहक प्रस्तुति देकर भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक उत्सव की पहली संध्या का सफल संयोजन सुपर स्टार रवि त्रिपाठी करते दिखे। संचालन शिक्षक रामबोध शुक्ल ने किया। इस मौके पर डा. विजयश्री सोना, एआईएमटी के निदेशक अंबिका मिश्र, राघव मिश्र, ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह, लालगंज चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, प्रधानाचार्य सुधाकर पाण्डेय, डा. अमिताभ शुक्ल, लाल अभिषेक प्रताप सिंह, दगपाल यादव, फक्कड़ पाण्डेय, अखिलेश मिश्र, आशुतोष मिश्र आदि रहे।

प्रमोद ने बताया अमन व मजबूती का अनुपम संदेश

एकता महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

सद्भावना भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्तिः प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि पर बाबा घुइसरनाथ धाम मे सांगीपुर ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित परम्परागत सदभावना सभा का शुभारंभ प्रख्यात भजन गायक श्रीराम द्विवेदी संदीप के मेरा भोला है भण्डारी तथा लहरी डांस ग्रुप के भोलेनाथ की सांस्कृतिक झांकी की सुमुधर प्रस्तुतियों से हुआ। वहीं लोकगायिका श्रद्धा मल्होत्रा ने भी इतना दिया भोले बाबा ने मुझको के भजन गायन से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सदभावना सभा को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित करते हुये सीडब्लूसी मेंबर एवं पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि सदभावना ही भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होनें कहा कि एकता महोत्सव के आयोजन का बाबा

लोकगायिका के भजन पर झूमे श्रोता

सदभावना सभा को संबोधित करते सीडब्लूसी मेंबर सांसद प्रमोद तिवारी।

धाम मे ध्येय सदैव रामपुर खास से देश के नवनिर्माण के लिए पुरातन संस्कृति को मजबूती बनाये रखने का ही है। श्री तिवारी ने कहा कि बाबा घुइसरनाथ धाम से आज राष्ट्रीय एकता महोत्सव का संदेश समूचे देश को एकता के सूत्र मे संगठित होने का मार्ग प्रशस्त करने की ओर है। पूर्व राज्य सभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि इस समय समाज और देश को एक जुट रखते हुये भारत के आन बान और मान की हिफाजत के साथ विकास के क्षेत्र मे निरंतर प्रगति की ओर बढ़ने के लिए ही हर जिम्मेदार नागरिक का सबसे बड़ा उत्तरदायित्व है। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि बाबा धाम से विकास तथा एकता व भाईचारे की हमारी त्रिवेणी संस्कृति को धार मिला करती है। अति विशिष्ट अतिथि प्रयागराज ट्रिपल आईटी की प्रो. डा. विजयश्री सोना रहीं। घुइसरनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप मे प्रमोद तिवारी ने कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले लोक कलाकारों को माल्यार्पण कर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल व संयोजन पाश्र्व गायक रवि त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर डा. नीरज त्रिपाठी, महेन्द्र शुक्ल, गल्ली तिवारी, प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, लालगंज प्रमुख अमित प्रताप सिंह, अरविंद मिश्र, रामबोध शुक्ल, आशीष उपाध्याय, डा. अमिताभ शुक्ल, दगपाल यादव, रामकृपाल पासी, पप्पू तिवारी, आशुतोष मिश्र, छोटेलाल सरोज, त्रिभु तिवारी, सत्येन्द्र सिंह, इ. सुनील पाण्डेय, प्रीतेन्द्र ओझा, रामू मिश्र, भुवनेश्वर शुक्ल, मुरलीधर तिवारी, बब्लू तिवारी, जगदीश मिश्र, आदि रहे। आभार प्रदर्शन प्रधानाचार्य सुधाकर पाण्डेय ने किया।

कुण्डा क्षेत्र में राजा भइया समर्थकों व सपा समर्थकों पर दो-दो मुकदमे दर्ज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कुण्डा विधान सभा क्षेत्र में सपा की तरफ से राजा भइया व उनके समर्थकों पर दो मुकदमे तथा जनसत्ता दल की ओर से सपा प्रत्याशी गुलशन यादव व उनके भाई सपा जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव पर दो मुकदमे मात्र 24 घंटे में दर्ज हुए हैं। इससे कुण्डा क्षेत्र में सपा और जनसत्ता दल के समर्थकों में तनाव बढ़ गया है।

राजा भइया व उनके समर्थकों के विरुद्ध सपा प्रत्याशी गुलशन यादव की गाड़ी पर हमला करने व सपा के बूथ एजेंट को अगवा कर मारने-पीटने की रिपोर्ट के साथ ही जनसत्ता दल की ओर से भी ताबड़तोड़ दो मुकदमे सपा प्रत्याशी गुलशन यादव और छविनाथ यादव सहित सपा कार्यकताओं के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज होने से माहौल गरमा गया है। इस तरह दो-दो मुकदमे सपा व जनसत्ता दल ने एक दूसरे के विरुद्ध दर्ज कराए हैं।

पहला मुकदमा समाजवादी पार्टी के बूथ एजेंट राकेश कुमार पासी ने राजा भइया, गोपाल केसरवानी व 15 समर्थकों के ऊपर एससी/एसटी एक्ट सहित गंभीर धाराओं में दर्ज कराया है। राकेश कुमार पासी का आरोप है कि रैयापुर बूथ से उसे बुलाकर बुरी तरह से मारा गया और अपशब्दों का प्रयोग किया गया। दूसरा मुकदमा साहीपुर निवासी विजय प्रताप सिंह ने सपा प्रत्याशी गुलशन यादव समेत 35 अज्ञात के विरुद्ध बरामदे में घुसकर तोड़फोड़, मारपीट व धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। तीसरा मुकदमा सपा प्रत्याशी गुलशन यादव की गाड़ी पर तोड़फोड़ करने व जानलेवा हमले की रिपोर्ट पुलिस ने दर्ज की है। इसमें जनसत्ता दल के पुष्पेन्द्र सिंह, पुष्पराज सिंह, शुभम, प्रशांत, शंभू सिंह, सोनू, विक्की, सुमित, गौरव, दिनेश सिंह को नामजद तथा 10 को अज्ञात किया गया है। चैथा मुकदमा कुण्डा विधान सभा क्षेत्र के ईदल पासी को जान से मारने की धमकी व अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में दर्ज की गई है। इसमें सपा के कार्यकताओं के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस चारों मुकदमों को दर्ज कर गहराई से जांच कर रही है।

महाकाल महोत्सव में हुआ कवि सम्मेलन का आयोजन

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। तीन दिवसीय महाकाल महोत्सव में कवि सम्मेलन में कवियों का जमावड़ा हुआ। इस मौके पर डॉक्टर नीलिमा मिश्रा ने अपने काव्य पाठ में पढ़ा कि तेरी यादों के साथ रहते हैं हम कैसे कह दे कि हम उदास रहते हैं।

प्रशान्त भरूहिया ने कहा कि घरे में रहकर का बताई बस हाथ पैर का धोना ऐसा फैल, कोरोना हो ऐसा फैल कोरोना। इस दौरान आभा मिश्रा, प्रीति पांडेय, डॉक्टर रत्नाकर, चन्द्र भूषण चन्द्र आदि कवियों ने अपनी-अपनी कविताएं पढ़कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कवि सम्मेलन के अन्तिम पहर में कार्यक्रम के आयोजक समाज शेखर ने आये हुए आगन्तुको के साथ श्रोताओं के प्रति आभार प्रकट किया। उधरस्थानीय थाना क्षेत्र के भयहरणनाथ धाम में महाशिवरात्रि के दिन सुबह से देर शाम तक हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को जलाभिषेक किया। कटरा गुलाब सिंह, हैसी परजी व प्रयागराज की ओर से आने वाली सड़कों पर श्रद्धालुओं का दिनभर तांता लगा रहा। मेले में सुरक्षा व्यवस्था की

भयहरणनाथ धाम विकास संस्थान द्वारा हुआ आयोजन

महाकाल महोत्सव में आयोजित सम्मेलन में काव्य पाठ करते कवि।

कमान कटरा गुलाब सिंह के चैकी इंचार्ज राकेश सिंह भदौरिया अपने हमराहियों के साथ संभाल रखा था। इस मौके पर जेठवारा थाना प्रभारी, एडिशनल एस.पी व सीओ सदर भी जायजा लेते रहे।

जमीनी रंजिश में युवक को पीटा, तोड़फोड़

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। सगे भाई से चल रहे हैं पुराने जमीनी रंजिश को लेकर पड़ोसी भाई ने एक राय होकर युवक को जमकर मारा पीटा और घर के अंदर तोड़फोड़ कर दिया पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में तहरीर दी है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के पहारा मुरारपट्टी गांव के रहने वाले बलराम वर्मा पुत्र राजकुमार वर्मा ने बताया कि उसके सगे भाई से उसका जमीनी विवाद चल रहा है सोमवार को इसी विवाद को लेकर विपक्षीगण एक राय होकर उसे भद्दी गालियां देने लगे और मारपीट करने लगे। पीड़ित जान बचाकर घर में भागा तो उपरोक्त आरोपी घर में घुसकर उसे जमकर मारा पीटा घर में रखा हुआ सामान भी तोड़ दिया और पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी।

जल चढ़ाने गई महिला के सोने की चेन को उचक्के ने उड़ाया

पट्टी, प्रतापगढ़। मंगलवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर पट्टी नगर की एक महिला शिव मंदिर पर जल चढ़ाने गई तो उचक्के ने उसकी चेन ही उड़ा दी थोड़ी देर बाद पीड़ित महिला को जब जानकारी हुई तो उसने पट्टी कोतवाली में के चोरी होने की सूचना दी। पट्टी नगर के रहने वाले कमला प्रसाद जायसवाल पुत्र छोटेलाल जयसवाल की पट्टी चैक में प्रतिष्ठान है। उनकी पत्नी आशा देवी मंगलवार की सुबह नौ बजे पट्टी मेला ग्राउंड में स्थित एक शिव मंदिर पर जल चढ़ाने के लिए तथा पूजा अर्चना करने के लिए गई थी इसी बीच किसी उचक्के ने चुपके से गले में सोने का मंगलसूत्र निकाल लिया। थोड़ी देर बाद महिला को जब जानकारी हुई तो परेशान हो गई और बहुत खोजने के बाद जब सोने की चेन नहीं मिली तो अपने पति कमला प्रसाद को इसकी जानकारी दी। पीड़ित महिला के पति कमला प्रसाद ने इस मामले में पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर प्रकरण में जांच की मांग की है।

पूरे ईश्वरनाथ में आयोजित हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर क्षेत्र के पूरे ईश्वरनाथ स्थित पौराणिक स्थल शिवाला मंदिर पर आयोजित होने वाले शिवाला महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को पं.शिवनायक जन स्वास्थ्य एवं विकास समिति के आयोजकत्व में स्वास्थ्य महकमें के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के साथ महोत्सव के प्रथम चरण का भव्य शुभारंभ हुआ। उक्त स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन समाजसेवी रोशन लाल उमरवैश्य व पं.दयाशंकर शुक्ल द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया। उक्त शिविर में एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक चिकत्सकों की टीम द्वारा 300 मरीजों की जांच एवं दवा का निरू शुल्क वितरण किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक एवं संयोजक परमानंद मिश्र एवं शिवेश शुक्ल द्वारा संयुक्त रूप से सभी आगंतुकों का स्वागत किया गया। इस मौके पर वारिष्ठ छायाकार विनय पाठक को स्मृति चिन्ह एवं चिकित्सक टीम को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर रोशन लाल उमरवैश्य ने कहा कि गरीबों और असहाय लोगों की सेवा करना एक पुण्य का काम है। ऐसे बीमार मरीज जो अपना इलाज नहीं करा पाते उनके लिए महोत्सव के तहत आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का कार्य अति सराहनीय है। स्वास्थ्य शिविर का संचालन नेत्र परीक्षण अधिकारी सीएम शुक्ला ने किया। इस मौके पर रवीन्द्र नाथ शुक्ल, सुनील श्रीवास्तव, अशोक अग्रवाल, दयाशंकर शुक्ल, उमेश त्रिपाठी, गुरुमणि शुक्ल, राजमणि रिंकू शुक्ल, धीरेन्द्र शुक्ल, प्रदीप पांडेय, गौरव त्रिपाठी सहित आदि मौजूद रहे।

300 मरीजों की जांच कर वितरित की गई दवा

स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करते समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य।

ट्रक पर लदे 13 गोवंश को पुलिस ने पकड़ा, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना लालगंज से उ0नि0 अनीश कुमार यादव मय टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना क्षेत्र के आईटी कालेज हिरऊ का पुरवा बेलहा के पास से एक ट्रक नम्बर (यूपी 70 जीटी 6846) पर गोवंशो को लाद रहे तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जब कि अंधेरे/भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाकर कुछ व्यक्ति मौके से भाग गये। उक्त ट्रक में लदे 13 गोवंशों को बरामद किया गया जो रस्सियों से बंधे हुए थे। मौके से एक अल्टो कार (यूपी 32 ईए 1777) भी बरामद की गयी। अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वे गोवंशों को ट्रक में लादकर बेचने के लिए कलकत्ता भेज रहे थे। इस संबंध में थाना लालगंज पर मु0अ0सं0 125/2022 धारा 3/5क/8 गोवध निवारण अधि0 व धारा 11 पशु क्रूरता अधि0 का अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में अर्जुन सिंह पुत्र सूर्य प्रकाश सिंह निवासी बुआ का पुरवा, बेलहा थाना लालगंज, प्रशांत सिंह पुत्र वीरेन्द्र बहादुर सिंह निवासी बुआ का पुरवा, बेलहा थाना लालगंज व आशुतोष शुक्ला पुत्र रविशंकर शुक्ला निवासी शीतलमऊ थाना लालगंज शामिल रहे।

गंगा तट का अनोखे शिवलिंग मंदिर जहां भक्त खंडित शिवलिंग की करते हैं पूजा

गंगा तट का अनोखे शिवलिंग मंदिर जहाँ भक्त खंडित शिवलिंग की करते हैं पूजा, मुगल आक्रांताओं ने मंदिरों में आक्रमण कर तोड़ दिया था शिवलिंग, शिवरात्रि के पर्व पर पूरे जिले के शिव मंदिरों में भक्तों ने जलाभिषेक कर शिव परिवार की पूजा अर्चना की

खंडित शिवलिंग का दृश्य और पूजा जलाभिषेक को जाते शिव भक्त

शिवरात्रि पर मंदिरों में जलाभिषेक करने को लगी महिलाओं की भीड़

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। शिवरात्रि पर्व की महिमा अपरंपार है और शिवरात्रि पर्व पर प्रत्येक शिव मंदिर में भक्तों ने पूजा अर्चन जलाभिषेक किया है शिवरात्रि के पर्व पर भक्तों ने शिव मंदिरों में पूजा अर्चन जलाभिषेक कर देश के कल्याण की कामना की है जिले के गंगा नदी के किनारे पल्हना घाट स्थित पंचमुखी महादेव और कड़ा स्थिति कालेश्वर महादेव मंदिर में मुगल आक्रांताओ द्वारा खंडित शिवलिंग की पूजा बड़ी श्रद्धा भक्ति के साथ भक्तों द्वारा लगातार की जाती है शिवरात्रि के पर्व पर दोनों मंदिरों में महिला पुरुष भक्तों की भारी भीड़ पूजन में लगी रही सुबह से ही मंदिर में भक्तों द्वारा भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया है और पूजन सामग्री समर्पित कर हवन यज्ञ पूजन भक्तों द्वारा किया गया है। चायल तहसील क्षेत्र के गंगा नदी के किनारे पल्हाना घाट स्थित पंचमुखी शिवलिंग मंदिर की महिमा अपरंपार है पूरे वर्ष यहां शिव भक्तों का मेला लगा रहता है गंगा स्नान करने पहुंचने वाले भक्त बिना शिव मंदिर में दर्शन पूजन के वापस नहीं लौटते हैं गंगा नदी किनारे 50 फीट ऊंचे एक टीले में स्थापित पंचमुखी शिवलिंग को मुगल आक्रांताओं ने मंदिर के सोने चांदी के खजाने को लूटने के बाद पंचमुखी शिवलिंग को खंडित कर दिया था मुगल आक्रांताओ द्वारा पंचमुखी शिवलिंग को खंडित किया जाने के बाद भी खंडित शिवलिंग की पूजा भक्तों द्वारा की जाती है मान्यता है कि पंचमुखी महादेव भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करते हैं बताया जाता है कि पंचमुखी महादेव शिव मंदिर की स्थापना हजारों वर्ष पूर्व भक्तों ने की थी इस मंदिर में प्रतिदिन भक्तों की भीड़ लगती है शिवरात्रि के महापर्व पर भक्तों ने दूध जल शहद से पंचमुखी महादेव को जलाभिषेक कराया और बेलपत्र धतूरा भांग पुष्प बैर आम का बौर मदार का फूल चना जौ की बाली आदि सामग्री भोलेनाथ को अर्पित कर पूजा अर्चना किया और देश के कल्याण की कामना भक्तों ने भोलेनाथ से की।सिराथू तहसील के कड़ा कस्बे के गंगा तट पर कालेश्वर महादेव शिव मंदिर में भी शिवरात्रि के पर्व पर भक्तों की भारी भीड़ लगी रही इस मंदिर को भी मुगल आक्रांताओं ने खंडित कर दिया है स्थापित है बताया जाता है कि महाभारत काल में धर्मराज युधिष्ठिर ने अपने अज्ञातवास काल में स्थापित कर शिव स्तुति की थी। मध्य काल में मुस्लिम आक्रांताओं ने मंदिर की धन सम्पदा लूटने के चलते शिव लिंग पर आक्रमण कर उसे खंडित कर दिया जिसके बाद से कालेश्वर महादेव के इस मंदिर मे खंडित शिवलिंग की पूजा की जाती है। महा शिवरात्री के मौके पर मंगलवार को शिवभक्तों ने गंगा स्नान कर अपने मनोरथ के अनुसार भगवान शंकर को जल, दूध, शहद आदि के अभिषेक कर पूजा की। देर रात्रि भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह कराया जाएगा। शिवरात्रि के दिन सैकड़ों की संख्या में भक्त महिला पुरुष शिव के मंदिर में आकार दर्शन करते हैं।

शिवरात्रि महा पर्व पर साणा नाथ बाबा कुटी पर भक्तों ने किया जलाभिषेक

5 अज्ञात वास में अर्जुन ने भद्र वन साणेश्वर महादेव वट वृक्ष के नीचे अपना कुछ समय काटा था जो भद्र वन आज भदवॉ गाँव है

साणा नाथ कुटी में शिवरात्रि पर पूजन अर्चन करती महिलाएं

कौशांबी। सिराथू तहसील के भदवां स्थित प्राचीन साणा नाथ बाबा कुटी में महा शिवरात्रि पर्व पर भक्तों ने भगवान भोले नाथ बाबा नंदी बाबा की पूजा अर्चना किया सुबह से ही पूजा अर्चना के लिए महिला पुरुष भक्तों की लाइन लगी रही गांव के बुजुर्गों द्वारा बताया जाता है कि जन चचाओं में शामिल है कि द्वापर युग के वट वृक्ष के नीचे बिराजमान साणा बाबा पांडव वंशज के अर्जुन की तपस्या का स्थान था किदवंती के अनुसार अज्ञात वास में अर्जुन भद्र वन साणेश्वर महादेव वट वृक्ष के नीचे अपना कुछ समय काटा था जो भद्र वन आज भदवॉ गाँव है किरात भेष धारी शंकर भगवान से अर्जुन का तीन दिन तक घनघोर युद्ध हुआ और भोले नाथ बाबा तीसरे दिन भेद खुलने पर इसी वट वृक्ष के नीचे अर्जुन को अपना आशीर्वाद प्रदान किया प्राचीन मान्यता के अनुसार जिन्हें संतान सुख नहीं प्राप्त होता वह आज भी साणा नाथ बाबा कुटी भदवॉ में वट वृक्ष के नीचे अपने धरन के रूप में एक ईट रखकर चलें जाते है और साल भर के अंदर साणा नाथ बाबा की कृपा से भक्तों की वाक्षित मनोरथ पूरी होती है जिस भक्त पर कोई घनघोर संकट आता है तो आकर साणा बाबा से कष्ट दूर होने की प्रार्थना करता है तो उसके कष्ट अवश्य दूर हो जातें हैं साणा बाबा पर प्रति वर्ष जेष्ठ शुक्ल पक्ष भीम सेनी एकादशी के दूसरे दिन द्वादशी को साधु संत भक्तजनों का विशाल भंडारा होता है और यह क्रम सैकड़ो वर्षों से इसी निश्चित तिथि पर होता है यज्ञ भागवत कथा के भी अयोजन होते रहते हैं साणा नाथ बाबा की महिमा अपरंपार है और बाबा के दरबार में रंक से लेकर राजा तक अपनी अर्जी लगाते हैं साणा नाथ बाबा की कुटी के महंत राजेंद तिवारी बाबा बताते हैं कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी कई वर्षों तक यहाँ पर सिराथू से आकर प्रति मंगल वार को हनुमान चालीसा का पाठ करते थे जिसे गाँव के श्रद्धालु भक्त बैठ कर सुनते थें।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों,गंगा तट पर भक्तों की उमड़ी भीड़

भोले का प्रसाद ठंडई का कराया गया लंगर

अझुवा कौशाम्बी। महाशिवरात्रि पर शिवालयों में श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ देखी गई श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ को जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की श्रद्धालुओं ने कड़ा धाम के गंगा घाट कुबरी घाट कालेश्वर घाट वृंदावन घाट सहित तमाम घाटों में गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर भगवान शिव की पूजा अर्चना की महाशिवरात्रि पर्व पर शिव और शक्ति के मिलन का पर्व महाशिवरात्रि मंगलवार को नगर पंचायत अझुवा सहित पूरे क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया है। शिवालयों में सुबह से ही भोले बाबा का जलाभिषेक करने और दर्शन पूजन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी लोगों ने जलाभिषेक दुग्ध अभिषेक करने के बाद बाबा को भांग धतूरा फल मेवा जौ की बालियां चने की बालियां मदार अर्पित किया है आज दिन भर शिवालयों में हर-हर महादेव के जयकारे लगते रहे नगर पंचायत अझुवा के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं महिलाओं, लड़कियों ने पूजा अर्चना कर घर परिवार भारत देश के सुख समृद्धि की कामना की है भक्तों ने भोले का ठंडई रूपी प्रसाद का लंगर चलाया है। शाम को गाजे-बाजे के साथ धार्मिक अनुष्ठान लाग विमान के साथ शिव बारात निकाले जाने का कार्यक्रम आयोजित है रात में भगवान शिव और माता शक्ति रूप का विवाह भी भक्तों द्वारा आयोजित किया गया है।

महाशिवरात्रि पर्व पर मेले का होता है भव्य आयोजन

15 दिन चलने वाले शिव मेले में पड़ोसी जनपद के दुकानदार बढ़ाते हैं मेले की शोभा

कौशांबी। मंझनपुर तहसील के टेवां गांव में अति प्राचीन शिव मंदिर महेश बाबा के स्थान पर सैकड़ों वर्ष से महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर दो दिवसीय मेले का आयोजन होता चला आ रहा है पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी भव्य मेले का आयोजन शुरू है जो कि फाल्गुन मास की चतुर्दशी एवं अमावस्या को संपन्न होता है मेले में कौशाम्बी के साथ पड़ोसी जनपद चित्रकूट प्रयागराज फतेहपुर प्रतापगढ़ से दुकानदार मिठाई ,कुल्फी ,चाट फुलकी ,झूला पान की दुकान ,सौन्दर्य प्रसाधन की सामग्री आदि बहुत सारी जरूरत की वस्तुएं बेचने के लिए आते हैं और साथ ही साथ महेश बाबा में जलाभिषेक कर लोग पुण्य कमाते हैं। श्रद्धालु शिव भक्त मनोकामना पूर्ति के लिए नंगे पांव पैदल चलकर परिक्रमा करते है तमाम भक्त महेश बाबा की परिक्रमा लेटकर करते हुए जलाभिषेक एवं दर्शन करते हैं आसपास गांव से बड़ी संख्या में महिलाएं बच्चे पुरुष बूढ़े लाइन लगाकर जलाभिषेक के लिए अपनी अपनी बारी का इंतजार करते हैं और जलाभिषेक करके भगवान शिव को प्रसन्न करते हैं मनोकामना पूर्ति के लिए भक्त पूजा अर्चना भी करते हैं।

न्यूज झरोखा

शिवालयों में होते रहे कीर्तन भजन

कौशांबी। शिवरात्रि के पर्व पर भक्त शिव भक्ति में लीन दिखे हैं शिव मंदिरों में सुबह से ही पूजा अर्चन जलाभिषेक के बाद भक्तों ने कीर्तन भजन शुरू कर दिया है ढोलक तबला हारमोनियम मजीरा की धुन पर भक्त झूमते रहे और शिव की महिमा का बखान करते रहे पूरे जिले के शिव मंदिरों में कीर्तन भजन का आयोजन भक्तों द्वारा किया गया है मंझनपुर कस्बे के नेहरू नगर के शिव मंदिर में महिला भक्तों द्वारा कीर्तन भजन का आयोजन किया गया है शिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव मंदिरों में आयोजित कीर्तन भजन के आयोजन में महिला भक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है शिवरात्रि के पर्व पर शिव मंदिरों में भक्तों द्वारा प्रसाद का भी वितरण किया गया है।

मंझनपुर कस्बे में शिव बारात में नाचते झूमते रहे शिव भक्त

शिव बारात निकाल कर मनाई गई शिवरात्रि भक्ति में लीन रहे शिवभक्त

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर में शिव भक्तों ने शिव बारात निकालकर नगर भ्रमण कराया है शिव बारात के दौरान नाचते गाते झूमते शिव भक्तों ने नगर में भ्रमण किया हैं शिव बारात के दौरान डीजे की धुन पर शिव भक्ति गीत ने शिव बारात को मनमोहक बना दिया है पूरे जिले में भक्तों ने शिव बारात निकाली है। शिवरात्रि के पावन पर्व पर नेता नगर स्थित शिव मंदिर में सुबह से ही भक्तों द्वारा पूजन पाठ किया जा रहा है तथा भक्तो द्वारा शिव बारात का भी आयोजन किया गया है जिसमे शिव बारात में नाचते झूमते नगर के छोटे-छोटे बच्चे पुरुष भी शिव बारात में लीन दिखे है नगर में शिव बारात घूमी है भक्तों ने भांग ठंडाई का आयोजन कर रखा है और शिव भक्त मस्ती में झूम रहे हैं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने पुलिस के जवानों की तैनाती की है शिव बारात के दौरान अजय वर्मा मुकुन्दी लाल राहुल अंकुर पाठक आयुष उज्ज्वल केशरवानी सत्यम गौतम वर्मा नंदू केशरवानी पंकज वर्मा सोनू केशरवानी मोदनवाल आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

ठंडाई भांग का आयोजन भी शिव मंदिरों में हुआ आयोजित

कौशांबी। शिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव मंदिरों में पूजन अर्चन जलाभिषेक भजन कीर्तन के साथ साथ भक्तों द्वारा ठंडाई भांग का भी आयोजन किया गया है शाम 4:00 बजे से तमाम शिव मंदिरों में भांग ठंडाई का आयोजन शिव भक्तों द्वारा किया गया है शिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव मंदिरों में आयोजित भांग ठंडाई के आयोजन में सैकड़ों शिव भक्त शामिल हुए हैं शिव भक्तों द्वारा प्रतिवर्ष शिव मंदिरों में भांग ठंडाई का आयोजन किया जाता है भांग को भगवान शिव का प्रसाद भक्त मानते हैं और शिवरात्रि पर भांग का सेवन प्रसाद के रूप में भक्त करते हैं

जलाभिषेक के पूर्व भक्तों ने किया गंगा स्नान

कौशांबी। शिवरात्रि के पावन पर्व पर गंगा नदी में स्नान करने वाले भक्तों की भीड़ लगी रही सुबह से ही गंगा नदी में स्थान करने भक्त पहुंचने लगे कड़ा धाम घाट सांदीपन घाट पल्हाना घाट काकरा बाद घाट बदनपुर घाट उजिहनी घाट फतेहपुर घाट कुबरी घाट कालेश्वर घाट आदि स्थानों पर गंगा स्नान कर भक्तों ने शिव मंदिरों में पूजा अर्चन किया है।

कोविड-19 वैक्सीन लगाते ही छात्रा हुई बीमार

अखंड भारत संदेश

स्वास्थ्य मंत्रालय और भारत सरकार को गंभीरता से विचार करते हुए निर्णय लेने की जरूरत, अस्पताल में चल रहा बालिका का इलाज नहीं हो रहा है स्वास्थ्य में सुधार

अस्पताल में भर्ती बालिका

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के अवाना आलमपुर की एक छात्रा को स्कूल में कोविड-19 वैक्सीन लगाया गया कोविड-19 की वैक्सीन लगते ही छात्रा स्कूल में बेहोश हो गई बेहोश छात्रा को घर भेजने में भी स्कूल प्रबंध तंत्र की लापरवाही उजागर हुई है किसी तरह अन्य लोगों ने छात्रा को घर पहुंचाया जिस पर बेहोश छात्रा को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है जहां लगातार उसका स्वास्थ्य खराब होता जा रहा है एक बार फिर कोविड-19 बैक्सीनेशन पर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक शिवानी देवी पुत्री सुनील कुमार त्रिपाठी ग्राम अवाना आलमपुर थाना करारी देशबंधु इंटर कॉलेज की 12वीं की छात्रा है 25 फरवरी को छात्रा को स्कूल में कोविड-19 वैक्सीन लगाई गई उसके मोबाइल में इसका मैसेज भी आया है जो कोविड-19 लगाए जाने का सबूत दे रहा है विद्यालय में कोविड-19 लगते ही छात्रा बेहोश होने लगी अन्य छात्राओं के साथ बालिका को प्रबंध तंत्र ने घर भेज दिया जहां उसकी हालत और बिगड़ गई परिजन बालिका को लेकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे इलाहाबाद के निजी नर्सिंग होम में बालिका को भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत दिन प्रतिदिन खराब हो रही है अब कोविड वैक्सिनेशन में कहां गड़बड़ी हैं जिससे वैक्सीन लगाते ही अचानक छात्रा का स्वास्थ्य बिगड़ गया इस बारे में स्वास्थ्य मंत्रालय और भारत सरकार को गंभीरता से विचार करते हुए निर्णय लेने की जरूरत है।

चार सगे भाइयों समेत सात जुआरी गिरफ्तार

कौशाम्बी। जुआ की फड़ में चार सगे भाइयों समेत सात जुआरियों को कोखराज पुलिस ने गिरफ्तार करने का दावा किया है हालांकि ग्रामीण पुलिस की इस कार्यवाही को साजिश करार दे रहे है कोखराज थाना पुलिस द्वारा सात अभियुक्तों राम बाबू पुत्र कल्लू पासी अम्बे लाल वा पंचम लाल वा शिवमूरत वा रामलोटन पुत्रगण सोहन लाल सुखलाल पुत्र मोहन लाल विनय कुमार पुत्र अमृत लाल व निवासीगण अहिरारा थाना कोखराज को सार्वजनिक स्थान पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते हुये गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 52 अदद तास के पत्ते व 800 रुपए मालफड तथा जमातलासी के दौरान 550 रुपए बरामद कर कार्यवाही की गई है।

सड़क निर्माण की धांधली पर नहीं जागे अधिकारी

बिना बोल्डर डालें नगरपालिका मंझनपुर बना रहा है नानहुआ के पूरा में करोड़ो की सड़क

कौशाम्बी। मंझनपुर नगर पालिका परिषद के नानहुआ के पूरा में करोड़ों की लागत से सड़क का निर्माण महीनों पूर्व शुरू हुआ है लेकिन सड़क निर्माण में बिना बोल्डर डालें निर्माण पूरा किया जा रहा है मामले की शिकायत जिले से लेकर शासन तक ग्रामीणों ने की है लेकिन 20 दिन बीत जाने के बाद भी घटिया निर्माण की सड़क पर रोक नहीं लगाई गई है बल्कि सरकारी खजाने से धन अवमुक्त किए जाने के प्रयास में नगरपालिका के जिम्मेदार लगे हैं जिससे सरकारी खजाने में लूट करने वालों की मंशा को अंदाजा लगाया जा सकता है एक बार फिर ग्रामीणों ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मानक विहीन सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराए जाने ठेकेदार अधिकारियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। गौरतलब है कि सरकारी विकास कार्यों में बड़ी धांधली कर सरकारी खजाने को चपत लगाने में नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अधिकारियों की भूमिका हमेशा सवालों के घेरे में रही है नाली निर्माण इंटरलॉकिंग सार्वजनिक शौचालय का मामला रहा हो या फिर अन्य विकास कार्यों का मामला रहा हो नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अधिकारी ठेकेदार हमेशा सवालों के घेरे में रहे हैं इन दिनों नगर पालिका मंझनपुर क्षेत्र के नन्हुआ का पूरा में सड़क का निर्माण नगर पालिका द्वारा कराया जा रहा है विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य में विभागीय अधिकारी और अवर अभियंता की सांठगांठ से ठेकेदार मनमानी पर उतारू है सड़क निर्माण में बोल्डर गिट्टी नहीं डाली गई हैं बड़ी गिट्टियों के बिना डालें छोटी गिट्टियां डालकर सड़क का निर्माण 20 दिन पूर्व ठेकेदार ने शुरू कर दिया है 20 दिन से इस सड़क पर निर्माण चल रहा है लेकिन विभागीय अधिकारी और अवर अभियंता ने घटिया क्वालिटी की बन रही इस सड़क निर्माण पर अभी तक रोक लगाए जाने और ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने का प्रयास नहीं किया है जिस ठेकेदार को नगर पालिका ने सड़क निर्माण का ठेका दिया है उस ठेकेदार पर जिला पंचायत की सड़कों में बड़ी धांधली किए जाने का पहले से आरोप लग चुके हैं सूत्रों की माने तो नगरपालिका की नानहुआ का पूरा की सड़क बनाने में लगे ठेकेदार द्वारा जिला पंचायत की बनाई गई सड़कें समय से पूर्व खराब हो चुकी हैं लेकिन सांठगांठ के चलते ठेकेदार के कारनामे पर जांच नहीं हो सकी है।

सफाई कर्मचारी के ना आने से ग्रामीणों ने की खुद सफाई

अखंड भारत संदेश

गांव की सफाई करते ग्रामीणों बच्चे

कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के पारा हसनपुर गांव में बीते 6 महीने से सफाई कर्मचारी नही आता है सफाई कर्मचारी के ना आने से गांव में गंदगी व्याप्त है पूरे गांव में गंदगी व्याप्त होने के चलते शिवरात्रि के पावन पर्व पर पारा हसनपुर के निवासी राजेन्द्र प्रसाद चौधरी विनोद कुमार आशीष कुमार शुभम ओमकार आदि ने गांव की सफाई का जिम्मा उठाया है ग्रामीणों ने खुद गांव की गलियों की सफाई की है गांव में गंदगी व्याप्त होने के बाद सफाई कर्मचारी के ना आने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है लेकिन उसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी सफाई कर्मी की लगाम नहीं कस पा रहे हैं ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से सफाई कर्मचारी पर कार्रवाई की मांग की है।

होता रहे अवैध निर्माण नहीं रोक पाएंगे चौकी इंचार्ज

मुकदमा लंबित होने के बाद भी परसरा मोहम्मदपुर असवा की जमीन पर अवैध तरीके से दिनदहाड़े हो रहा कब्जा, न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों के बाद लाखों लेकर करोड़ों की जमीन पर कब्जा कराए जाने का चौकी इंचार्ज पर आरोप

अखंड भारत संदेश

जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण का दृश्य

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर असवा परसरा में करोड़ों की जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने का आरोप पीड़ित परिजनों ने लगाया है जमीन का मुकदमा भी तहसील चायल में लंबित है जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा किए जाने की शिकायत किए जाने के बाद चौकी इंचार्ज ने विवादित जमीन पर कब्जा रोकने से साफ इनकार कर दिया है चौकी इंचार्ज भरवारी पर लाखों की रकम लेकर करोड़ों की जमीन कब्जा कराने का आरोप है।

जानकारी के मुताबिक राधा देवी पत्नी राघवेंद्र सिंह ग्राम समदा मजरा जलालपुर थाना चरवा ने चायल तहसील के मोहम्मदपुर असवाँ परसरा में सड़क किनारे आराजी संख्या 549 जरिये बैनामा जमीन खरीदी है इस जमीन का मुकदमा उप जिलाधिकारी चायल के न्यायालय में विचाराधीन है मुकदमा विचाराधीन होने के बावजूद दूसरे पक्ष के विजय बहादुर लाल बहादुर आदि ने जबरिया दिनदहाड़े जमीन पर निर्माण शुरू कर दिया है उनका कहना है कि आराजी संख्या 548 के वह स्वामी है आराजी संख्या 548 की बाउंड्री भी पहले हो चुकी है शिकायतकर्ता राधा देवी का कहना है कि विपक्षी विजय बहादुर लालबहादुर श्यामबहादुर पुत्रगण छोटेलाल व श्यामनी पत्नी दिनेश कुमार निवासी परसरा थाना कोखराज जबरन आराजी संख्या 549 में निर्माण कर रहे हैं इसकी जानकारी जब राधा देवी को हुई तो उनके पति ने चौकी इंचार्ज भरवारी को फोन कर अवैध निर्माण रोकने की मांग की लेकिन उसके बाद चौकी इंचार्ज ने अवैध निर्माण रोकने से हाथ खड़ा कर दिया है चौकी इंचार्ज ने झूठ बोलकर कहा कि निर्माण कार्य नही हो रहा है जब राधा देवी के पति मौके पर गए तो निर्माण कार्य हो रहा था फिर राधा देवी के पति ने चौकी इंचार्ज को फोन किया तो चौकी इंचार्ज ने कहा कि मैं क्या कर सकता हूँ इससे साफ जाहिर होता है कि चौकी इंचार्ज मोटी रकम लेकर निर्माण कार्य करा रहे है चौकी पुलिस की लचर व्यवस्था से स्थिति तनावग्रस्त हो सकती है और जमीन मालिक खुद जमीन के अवैध निर्माण को रोकने पहुंच सकता है यदि स्थिति तनाव ग्रस्त हुई तो जवाबदेही किसकी होगी।

संपादकीय

पृथ्वी पर जीवन चक्र सुचारू

वन्य पशु, पक्षी, जीव जंतु प्रकृति के नियमों का पालन करते हैं और प्रकृति का संरक्षण करते हैं, स्वार्थी मनुष्य की भांति पशु-पक्षियों की आवश्यकता अनगिनत नहीं होती है। प्रत्येक वन्य जीव पशु-पक्षी प्रकृति के समृद्धि के लिए कार्य करते है। पृथ्वी पर जीवन चक्र सुचारू रूप से चलाने में यह मुख्य कार्यवाहक है, वन्यजीवों और पक्षियों द्वारा ही वन और प्रकृति समृद्ध होते हैं और मानव जीवन को गति प्रदान करते हैं। जहां प्रकृति समृद्ध है, वहां शुद्ध जल और शुद्ध ऑक्सीजन के स्रोत समृद्ध हैं, प्राणी, वनौषधी, जंगल समृद्ध हैं। मिट्टी उपजाऊ और फसल गुणवत्तापूर्ण तैयार होती है, ऐसी जगहों पर बीमारियां कम और इंसान का सेहतमंद आयुष्मान दीर्घ होता है। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या कम होकर ओजोन परत की सुरक्षा बढ़ती है। सुखद वातावरण और पौष्टिक भोजन मिलता है, प्राकृतिक आपदाएं कम होकर मौसम का चक्र भी सुचारू रूप से चलता है। 20 दिसंबर 2013 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने 68 वें सत्र में, 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस घोषित किया, ह्यविश्व वन्यजीव दिवसह्न दुनिया के वन्य जीवों और पौधों के बारे में जागरूकता बढ़ाने सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक वार्षिक आयोजन बन गया है। 2022 में विश्व वन्यजीव दिवस पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए प्रमुख प्रजातियों को पुनर्प्राप्त करना थीम के तहत मनाया जाएगा, जंगली जीवों और वनस्पतियों की सबसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण की स्थिति पर ध्यान आकर्षित करने और उनके संरक्षण के लिए समाधान लागू करना इसका उद्देश्य है। भारत एक जैव-विविधता वाला देश है, जिसमें दुनिया की ज्ञात वन्यजीव प्रजातियों का लगभग 6.5% हिस्सा है। विश्व के लगभग 7.6% स्तनधारी और 12.6% पक्षी भारत में पाए जाते हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) रेड लिस्ट ऑफ थ्रेड स्पीशीज के आंकड़ों के अनुसार, जंगली जीवों और वनस्पतियों की 8,400 से अधिक प्रजातियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं, जबकि 30,000 से अधिक को लुप्तप्राय या असुरक्षित समझा जाता है। हर जगह लोग भोजन, ईंधन, दवाओं, आवास और कपड़ों से लेकर हमारी सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए वन्य जीवन और जैव विविधता-आधारित संसाधनों पर निर्भर हैं। करोड़ों लोग अपनी आजीविका और आर्थिक अवसरों के स्रोत के रूप में प्रकृति पर आश्रित रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्टेट ऑफ द वर्ल्ड फॉरेस्ट 2018 रिपोर्ट में पाया गया कि, दुनिया की आधी से अधिक आबादी पीने के पानी के साथ-साथ कृषि और उद्योग के लिए उपयोग किए जाने वाले पानी के लिए जंगल के पानी पर निर्भर है। 2018 एफएओ रिपोर्ट अनुसार, पृथ्वी के मीठे पानी का तीन-चौथाई हिस्सा जंगल के पानी से आता है। 2019 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने बताया कि भारत में, अवैध वन्यजीव व्यापार तेजी से विस्तार कर रहा है, हाल ही में, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भी 2020 तक का समग्र डेटा जारी किया था। 2020 के लिए जारी भारत में अपराध रिपोर्ट ने संकेत दिया कि पर्यावरण से संबंधित अपराधों के लिए दर्ज मामलों की संख्या 2019 में 34,676 से बढ़कर 2020 में 61,767 तक हो गई। वन सर्वेक्षण द्वारा प्रकाशित द्विवार्षिक भारत की वन रिपोर्ट 2021 के अनुसार, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों - अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय और सिक्किम ने 2019-2021 के दौरान 1,020 वर्ग किलोमीटर जंगल खो दिया है।

बजट: गहलोत से मिशन 2023 की तैयारी शुरू

रमेश सर्राफ

बजट के माध्यम से गहलोत ने अपने साथ जुड़े तमाम विधायकों को भी उनकी इच्छा अनुसार उनके विधानसभा क्षेत्रों में नए विकास कार्य करवाने की घोषणा कर उन्हें अपने से जोड़े रखा है। विधानसभा चुनाव से पूर्व सरकार एक और बजट पेश करेगी। मगर उससे पूर्व ही गहलोत ने बहुत सारी जनता को लुभाने वाली योजनायें शामिल कर बजट पेश किया है। जो उनकी राजनीतिक सूझबूझ व दूरदर्शिता को ही दर्शाता है। गहलोत की मौजूदा कार्यप्रणाली दर्शाती है कि आने वाले समय में भी कांग्रेस की राजनीति में गहलोत सिरमौर बने रहेंगे

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2023 में होने वाले राज्य विधान सभा के चुनाव की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। हाल ही में राजस्थान विधानसभा में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रस्तुत किए गए बजट में इसकी साफ झलक देखने को मिली है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट को इतना लोक लुभावना बनाया है कि उसकी हर कोई सराहना कर रहा है। साथ ही अपने बजट के माध्यम से गहलोत ने अपने विरोधी दलों को साफ संकेत भी दे दिया है कि 2023 में हम फिर से प्रदेश में सरकार बनाएंगे। इसलिए आप लोग 2023 के बजाय 2028 के चुनाव की तैयारी कीजिए। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की बगावत के बाद गहलोत पर बड़ा राजनीतिक दबाव पड़ रहा था। राजनीतिक हलकों में अक्सर चर्चा होती रहती है कि अगले विधानसभा चुनाव से पूर्व गहलोत को हटाकर पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। इस बजट के माध्यम से मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने सभी राजनीतिक विरोधियों को साफ संदेश दे दिया है कि वह अपना कार्यकाल तो पूरा करेंगे ही बल्कि अगली बार भी सरकार बनने पर वह चैथी बार मुख्यमंत्री बनने की तैयारी कर रहे हैं। लोक लुभावना बजट पेश करें मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने विरोधियों को चारों खाने चित कर दिया है।

कुछ दिनों पहले जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय अधिवेशन में बोलते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि 2013 का विधानसभा चुनाव हम सरकारी कर्मचारियों की नाराजगी के चलते हारे थे। आगे हम इस बात का पूरा ख्याल रखेंगे की सरकार को अपने कर्मचारियों की नाराजगी ना झेलनी पड़े। इसी के चलते गहलोत ने अपने बजट में सबसे बड़ा तोहफा भी राज्य सरकार के कर्मचारियों को ही दिया है। बजट में मुख्यमंत्री गहलोत ने सरकारी कर्मचारियों की वर्षों पुरानी मांग को मानते हुए 2004 के बाद लागू नई पेंशन स्कीम को बंद कर पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा कर कर्मचारियों के चहेते मुख्यमंत्री बन गये है। मुख्यमंत्री को पता है कि किसी भी

सरकार को बनाने व हटाने में सरकारी कर्मचारियों का बहुत बड़ा बड़ी भूमिका होती है। ऐसे में इस बार वह किसी भी प्रकार की जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को भी साधने का पूरा प्रयास करते हुए उनके वेतन में प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की वेतन बढ़ोतरी करने की भी घोषणा की है। जिससे प्रदेश में कार्यरत बड़ी संख्या में संविदा कर्मियों को भी बहुत लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजनीति में हमेशा नवाचार करने के लिए जाने जाते हैं। मुख्यमंत्री रहते हुये वो हर बार कोई ऐसा नया कार्य करते हैं जो एक मिसाल बन जाता है। इस बार भी उन्होंने अलग से कृषि बजट पेश कर एक नई मिसाल कायम की है। गहलोत कृषि बजट पेश करने वाले देश के पहले मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। अपने बजट में गहलोत ने महिला मतदाताओं को साधने के लिए मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में रजिस्टर्ड एक करोड़ 33 लाख महिलाओं को मुफ्त डाटा सहित मोबाइल देने की घोषणा की है गहलोत को पता है कि दो हजार अट्ठारह में मात्र आधा प्रतिशत अधिक मत मिलने पर ही उनकी सरकार बनी थी। ऐसे में वह महिला मतदाताओं को पूरी तरह अपने पक्ष में करना चाहते हैं ताकि अगले चुनाव में उन्हें बड़ा जनसमर्थन मिल सके। बजट में कोई नया कर भी नहीं लगाया गया है जिससे प्रदेश वासी राहत महसूस कर रहे हैं। कोरोना संकट को झेल चुके गहलोत ने अपने बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र पर विशेष फोकस रखा है उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग कॉलेज बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा भी बहुत से मेडिकल कॉलेज व चिकित्सा केंद्रों को अपग्रेड करना वह नए चिकित्सा केंद्रों की स्थापना करने की भी घोषणा की है। मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने सबसे महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में कैशलेस इलाज करवाने की प्रति वर्ष पांच लाख की सीमा को बढ़ाकर भी दस लाख रुपए कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने इसमें बहुत से असाध्य रोगों का भी निशुल्क उपचार करना शामिल कर दिया है। इस योजना के पात्र परिवार के सदस्यों को पांच लाख रूपयों तक की दुर्घटना बीमा भी प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री गहलोत देश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री है जिन्होंने प्रदेश के सभी परिवारों को कैशलेस चिकित्सा के दायरे में शामिल किया है। समाज के कमजोर वर्गों के साथ ही मध्यम श्रेणी व उच्च श्रेणी के परिवारों को भी मात्र 850 रुपए देने पर इस कैशलेस उपचार की योजना में शामिल किया जाता है। इस तरह की योजना देश में अन्यत्र कहीं लागू नहीं की गई है। प्रधानमंत्री की भी निशुल्क चिकित्सा योजना में सिर्फ कमजोर तबके के लोगों को ही शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री गहलोत ने राजस्थान के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को उनके विद्युत बिल में अनुदान देने की घोषणा कर राहत प्रदान की है।

विपक्षी दल राजस्थान में सबसे महंगी बिजली होने का आरोप लगाते रहते हैं। गहलोत की घोषणा के बाद अब बिजली दरों को लेकर सरकार पर लगने वाले आरोप बंद हो जाएंगे। गहलोत ने किसानों को उनके ट्यूबवेल पर लंबे समय से लंबित विद्युत कनेक्शन आगामी 2 वर्षों में पूरी तरह जारी करने का भी अपने बजट में प्रावधान किया है। वर्तमान में 2013 से अब तक किसानों के करीब तीन लाख 38 हजार कृषि बिजली कनेक्शन लाख लंबित चल रहे हैं। ऐसे में यदि अगले 2 सालों में सभी किसानों को विद्युत कनेक्शन मिल जाते हैं तो प्रदेश में सिंचाई का रकबा तो बढ़ेगा ही साथ ही किसानों को भी अधिक फसल लेने का मार्ग प्रशस्त होगा जिससे उनकी आमदनी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर कहा जाता है। वह अपनी हर चाल सधे कदमों से चलते हैं। जिसका भान किसी को नहीं हो पाता है। मुख्यमंत्री गहलोत ने इस बार पेश किए गए प्रदेश के बजट के माध्यम से जहां प्रदेश के लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया है वहीं महिलाओं व किसानों को विशेष तवज्जो देकर उन्होंने एक बड़े वर्ग को साधा है। लोक लुभावना बजट पेश कर गहलोत ने कांग्रेस आलाकमान को भी अप्रत्यक्ष रूप से संदेश दिया है कि प्रदेश की राजनीति में आज भी वह उतने ही प्रासंगिक है। उन्हें प्रदेश के गांव, गरीब, दलित, पीड़ित की पूरी चिंता है। वह उनके प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रहे हैं जिसकी झलक बजट में देखने को मिली है।

बजट के माध्यम से गहलोत ने अपने साथ जुड़े तमाम विधायकों को भी उनकी इच्छा अनुसार उनके विधानसभा क्षेत्रों में नए विकास कार्य करवाने की घोषणा कर उन्हें अपने से जोड़े रखा है। विधानसभा चुनाव से पूर्व सरकार एक और बजट पेश करेगी। मगर उससे पूर्व ही गहलोत ने बहुत सारी जनता को लुभाने वाली योजनायें शामिल कर बजट पेश किया है। जो उनकी राजनीतिक सूझबूझ व दूरदर्शिता को ही दशार्ता है।

गहलोत की मौजूदा कार्यप्रणाली दर्शाती है कि आने वाले समय में भी कांग्रेस की राजनीति में गहलोत सिरमौर बने रहेंगे।

रचनाएं

महाशिवरात्रि का मेला,शिव मंदिर में लगा है ताता
शिवशक्ति में सब चूर, भक्ति के रंग में अभिभूत
कोई बेलपत्र से रिझाये, कोई भंग झतुरा चढ़ाए
करे दुग्ध माखन का अर्पण,भक्ति से शीश झुकाये।

भक्तिमय हुआ नगर अब,भक्ति में सब धूम मचाये
बम-बम भोले की धुन में, नर-नारी भक्ति में गाये
मंदिरों की डेहरी चमकी, भक्तो की लंबी कतार
भोलेनाथ के दर्शन से, मिट जाए कष्टो के भार।

सरल मन से पूजा अर्चन, शुद्ध मन से सेवा अर्पण
भोलेबाबा जीवन आधारा, जीवन में है मेरा दर्पण
सुख कामना करते हम सब, अर्ज करे हे भूतेश्वर
सब पर कृपा करते रहना, हे जगत के परमेश्वर ।

मंदिर जब भीड़ मची थी, दर बाहर एक दुःखहारी
आस लगाए शिव भक्तों से , नजर पड़े इस लाचारी
भूख से पीड़ित तड़प रही थी, छुब्धा मिटादो भंडारी

श्याम कुमार

यूक्रेन-रूस युद्ध: भारत की भावी भूमिका

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यूक्रेन में रूस अपनी कठपुतली सरकार जब तक नहीं बिठा लेगा, वह चैन से नहीं बैठेगा। यूक्रेन के नेता कितनी ही बहादुरी के बयान झाड़ते रहें, उनकी हालत खस्ता हो चुकी है। सैकड़ों लोग मर चुके हैं, कई भवन ध्वस्त हो गए हैं और राजधानी कीव पर भी रूसी कब्जा बढ़ता चला जा रहा है। सुरक्षा परिषद में रूसी वीटो ने संयुक्तराष्ट्र संघ को नाकारा बना दिया है। बड़ी-बड़ी डींग मारनेवाले नाटो राष्ट्रों और अमेरिका ने यूक्रेन की रक्षा के लिए अभी तक अपना एक भी सैनिक नहीं भेजा है। रूसी नेता पुतिन को पता है कि नाटो राष्ट्रों के भरोसे खम ठोकनेवाले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदोमीर झेलेंस्की का मनोबल गिर चुका है।

उन्हें इस बात का अंदाज है कि यह युद्ध लंबा खिंच गया तो यूक्रेन 30-40 साल पीछे चला जाएगा और हजारों लोग मारे जाएंगे। स्वयं झेलेंस्की और उनके मंत्रियों का जिंदा रहना भी मुश्किल हो जाएगा। इसीलिए पुतिन का बातचीत का निमंत्रण तो झेलेंस्की ने स्वीकार कर लिया है लेकिन वे यह शांति-वार्ता बेलारुस में नहीं करना चाहते हैं। उनका आरोप है कि रूसी हमले में बेलारुस की भूमिका सबसे ज्यादा घृणित रही है। उन्होंने ऐसे कई देशों के वैकल्पिक नाम सुझाएं हैं, जो सोवियत संघ के वारसा पेक्ट के सदस्य भी रहे हैं और पड़ोसी यूरोपीय देश भी हैं। मुझे लगता है कि पुतिन मान जाएंगे। यदि वे मान गए तो यूरोप को ही नहीं, सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था को गड्ढे में गिरने से वे बचा लेंगे। यदि यह युद्ध एक हफ्ते भी चलता रहा तो यूक्रेन और रूस तो आत्मघात का मार्ग अपने लिए खोल ही लेंगे, नाटो राष्ट्रों की भी बधिया बैठने लगेगी।

यूरोप की संकटग्रस्त अर्थ-व्यवस्था से भारत जैसे राष्ट्रों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। एशिया, अफ्रीका और लातीनी अमेरिका के कई राष्ट्र भी रूस की तरह डंडे के जोर पर अपने पड़ौसियों से निपटने के लिए प्रेरित होंगे। शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद राष्ट्रों के सैन्य-खर्च में जो कटौती हुई थी, वह अब दुगुने जोश के साथ बढ़ सकती है।

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति के वर्तमान समीकरणों को भी यूक्रेन का युद्ध नई दिशा में ठेल रहा है। अब रूस और चीन मिलकर विश्व राजनीति पर अपना वर्चस्व जमाने की पूरी कोशिश करेंगे। अब शायद भारत को नेहरु, नासिर और नक्रूमा की गुट-निरपेक्षता को फिर से जिंदा करने की जरुरत पड़ सकती है। यह केवल संयोग नहीं है कि अमेरिका के बाइडन, रूस के पुतिन और यूक्रेन के झेलेंस्की ने भी मोदी से बात करना जरुरी समझा।

अभिव्यक्ति

रूस-यूक्रेन युद्ध: दो धड़ों में बंटी दुनिया

अभिनय

अमेरिका और रूस के बीच यूक्रेन को लेकर तनाव अपने चरम पर है। रूस के पौने दो लाख सैनिक यूक्रेन के बाहर तंबू लगाकर खड़े हो गए और देखते ही देखते राजधानी कीव पर चढ़ाई भी कर दी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप में लड़ाकू सेना का सबसे बड़ा जमावड़ा है। बदले में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर प्रतिबंधों की झड़ी लगा दी है। लेकिन पुतिन इस बार पूरे आर-पार के मूड में दिख रहे हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया। एक तरफ जहां भारत, चीन और यूएई ने रूस के खिलाफ प्रस्ताव पर वोटिंग से किनारा किया तो वहीं इस प्रस्ताव पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, नार्वे, आयरलैंड, अल्बानिया, गबोन, मैक्सिको, ब्राजील, घाना और केन्या जैसे देशों ने अपनी मुहर लगाई। 1990 में पश्चिम जर्मनी और पूर्वी जर्मनी का विलय हो गया। माना जाता है कि इस विलय के समय मौखिक समझौता हुआ था कि नाटो अपना विस्तार पूर्वी यूरोप में नहीं करेगा, लेकिन पश्चिमी देशों ने यह वादा नहीं निभाया। 1999 में पोलैंड, हंगरी और चेक रिपब्लिक नाटो में शामिल हो गए। नाटो ने रूस को बड़ा झटका 2002 में दिया। जब सोवियत संघ के सदस्य रहे लिथुआनिया, लातविया और स्तोनिया जैसे पांच देश नाटो में शामिल हो गए। अब जब नाटो ने यूक्रेन के जरिये रूस के दरवाजे पर दस्तक देने की योजना बनाई तो पुतिन ने यूक्रेन पर हमला ही कर दिया।

कोल्ड वॉर 2 की वापसी: रूस के राष्ट्रपति की ओर से युद्ध के ऐलान के बाद सबसे ज्यादा चर्चा विश्व युद्ध को लेकर हो रही है। पूरे विश्व के दो भागों में बंटने के अनुमान लगाए जा रहे हैं। आज के समय जितने खतरनाक हथियार तमाम देशों के पास हैं, उतने पहले और दूसरे युद्ध के समय के नहीं थे। ऐसे में हालात बहुत गंभीर हो सकते हैं। अमेरिका और सोवियत संघ के बीच 80 और 90 के दशक से पहले भी कई दशकों तक कोल्ड वॉर चला। अस्सी के दशक और आज के हालात पूरी तरह अलग हैं। तब विश्व पूरी तरह दो धड़ों में बंटा था और अमेरिका-रूस के इर्द-गिर्द दुनिया घूम रही थी। तब चीन की इतनी ताकत नहीं थी तब और अब में कई देशों के समीकरण भी पूरी तरह से बदल चुके हैं। इस बार रूस उस कोल्ड वॉर का बदला भी लेना चाहता है। पुतिन अपने अब तक के लाभ से संतुष्ट होंगे। कुछ लोग पूर्वी यूक्रेन में अलग हुए क्षेत्रों डोनेट्स्क और लुहान्स्क को रूस की मान्यता को उन पश्चिमी नेताओं के लिए एक अग्रिम चेतावनी के रूप में मानते हैं जिन्होंने रूसी सुरक्षा चिंताओं को बार-बार नजरअंदाज किया है। एक अन्य दृष्टिकोण से पता चलता है कि पुतिन उसी हाइब्रिड रणनीति का चयन करेंगे जैसी जॉर्जिया के साथ 2008 के युद्ध में रूस ने अपनाई थी : बल प्रयोग करने की धमकी देना, अलग होने वाले क्षेत्रों को मान्यता देना और अपने विरोधी की सेना को नष्ट करना - लेकिन वास्तविक विजय से दूर रहना।

पूरी दुनिया पर आर्थिक नजरिए से असर: नाटो 12 देशों से शुरू हुआ था। एक तरह से आज उसमें 65 देश जुड़े हैं जो कुल मिलाकर देश के सैन्य बलों का 57% हैं। इनकी शक्ति बहुत प्रभावी है। रूस को लगता है कि उसे नाटो ने चारों तरफ से घेर लिया है इसलिए जो उससे हो पाएगा, वह करेगा। यूक्रेन की सीमाओं पर उनकी विशाल सेना(रूस की कुल युद्ध शक्ति का लगभग 60%) का जमावड़ा रूस पर नाटो और संभावित पश्चिमी आक्रमण पर उनकी चिंताओं को कम करता है। उन्होंने यह भी आदेश दिया है कि बेलारूस में 30,000 रूसी सैन्यकर्मी अनिश्चितकाल तक रहेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि मिन्स्क भी मास्को से कसकर बंधे रहे।

यह प्रभावी रूप से नए क्षेत्र को जोड़ता है जहां पुतिन सैन्य बलों और यहां तक कि संभावित परमाणु हथियारों को तैनात कर सकते हैं। पुतिन ने आर्थिक जोखिमों की गणना की है। लेकिन इसका पूरी दुनिया पर आर्थिक नजरिए से असर होगा। पहले कोल्ड वॉर में प्रॉक्सी वॉर होता था लेकिन आज सीधी लड़ाई है।

संसदीय लोकतंत्र का नया सवाल- मतदाता कैसा हो?

अभय कुमार दुबे

उत्तर प्रदेश के चुनाव से पहले मेरे विचार में भारत के संसदीय लोकतंत्र का केंद्रीय प्रश्न एक ही था : हमारा प्रतिनिधि कैसा हो? इस सवाल का संतोषजनक जवाब अभी मिल भी नहीं पाया था कि इस विधानसभा चुनाव ने एक दूसरा केंद्रीय प्रश्न सामने रख दिया है। यह है : हमारा मतदाता कैसा हो? इस सवाल के महत्व को समझने के लिए चुनावी गोलबंदी में इस्तेमाल की जा रही युक्तियों और उनसे प्रभावित होने वाले मतदाता के मानस पर गौर करना जरूरी है। इस तर्ज पर सोच-विचार करते ही हमें कुछ आनुषंगिक प्रश्नों का सामना करना पड़ेगा। मसलन, हमें सोचना होगा कि क्या भारतीय मतदाता को किसी पार्टी या नेता के प्रति इतना निष्ठावान होना चाहिए कि वह उससे लगातार असंतुष्ट होते हुए भी उसके खिलाफ वोट डालने से परहेज करता रहे? क्या हमारे मतदाता को उसे आर्थिक या अन्य तरह की राहत देने वाली सरकार के प्रति इस हद तक कृतज्ञ होना चाहिए कि वह उसे वोट देने के जरिये नमक का हक अदा करता हुआ महसूस करे? क्या किसी मतदाता को बार-बार एक ही पार्टी को केवल इसलिए वोट देते रहना चाहिए कि उसने अतीत में कभी उसके समुदाय को सत्ता का दुर्लभ स्वाद चखाया था, भले ही उस एक सफलता के बाद उस मतदाता-समूह के सभी वोट चुनाव-दर-चुनाव बरबाद होते रहें? क्या उन्हें इतना तंगनजर होना चाहिए कि वह किसी नेता या पार्टी की घोषणा को केवल अपने इलाके, प्रदेश या अपने समुदाय या अपनी लैंगिक-स्थिति के मद्देनजर ही देखे और दृष्टि की व्यापकता और गहराई का इस्तेमाल न करे- भले ही तथ्य पुकार-पुकार कर अपनी कहानी स्वयं कह रहे हों? ये सभी सवाल उत्तर प्रदेश की चुनावी हकीकत पर ही रोशनी नहीं डालते, बल्कि हमारे समूचे लोकतंत्र की हुलिया को सामने रख देते हैं। मिसाल के लिए, एंटी-इनकम्बेंसी या सरकार विरोधी भावनाओं का सामना हर सत्तारूढ़ दल को करना पड़ता है। उसे बेअसर करने के लिए सत्तारूढ़ ताकतें मतदाताओं को याद दिलाती हैं कि उनके हित में क्या-क्या किया गया है।

नमकहरामी और नमकहलाली जैसे फिकरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वोटों की गोलबंदी के इतिहास में इस तरह की भाषा का इस्तेमाल और इस तरह के मनोभावों को उभारने के प्रयास का यह पहला उदाहरण है।मतदाता को सरकारी मदद के जरिये लाभार्थी की श्रेणी में बदला जाता है, ऐसा लाभार्थी कहीं जातिगत और सामुदायिक निष्ठाओं के चलते सरकारी कृपा को भूल न जाए इसलिए प्रचारकों की तरफ से उसे नमक का हक अदा करने की नैतिकता याद कराई जा रही है। यह प्रकरण बताता है कि आधुनिक राजनीति को विशुद्ध सामंती सामाजिक-आर्थिक संबंधों तक भी गिराया जा सकता है। पिछले सात-आठ साल से कई राज्यों में नकद या अन्य तरह की राहत से विभिन्न पार्टियों की सरकारों ने लाभार्थियों की यह श्रेणी तैयार की है। चुनावों में इस श्रेणी के कारण एंटी-इनकम्बेंसी का सामना करने में मदद भी मिली है।

लेकिन, इन प्रदेशों में लाभार्थियों को वोटरों में बदलने की रणनीति की खुली दावेदारियां नहीं की गईं। इसके विपरीत उप्र के चुनाव में यह प्रयोग मुखर ढंग से किया जा रहा है। अगर सरकारी पार्टी इस प्रयोग में सफल हो गई, तो निकट भविष्य में चुनाव के जरिए सरकारें बदलना पहले के मुकाबले बहुत मुश्किल हो जाएगा। इन सभी लिहाज से उत्तर प्रदेश का चुनाव मतदाताओं की परीक्षा बन गया है। सारे देश की निगाहें इस बात पर लगी हुई हैं कि देश के सबसे बड़े राज्य के मतदाता क्या रुख अपनाते हैं। क्या वे सरकारी मदद को अपने अधिकार की तरह ग्रहण करने का तर्कसंगत रवैया प्रदर्शित करेंगे? क्या ये मतदाता आर्थिक राहत के बदले अपनी जातिगत-समुदायगत निष्ठाओं को कम से कम वोट डालने के मामले में स्थगित कर देंगे? अगर मतदाताओं ने ऐसा किया तो इसके दूरगामी असर होंगे।

राजनीति के साथ-साथ अर्थनीति पर भी। एक खास तरह की राजनीतिक प्रोद्योगिकी के माध्यम से जरूरतमंद नागरिक को पहले सरकारी मदद के जरिये लाभार्थी की श्रेणी में बदला जाता है, और फिर उससे अपेक्षा की जाती है कि वह सरकारी पार्टी के प्रतिबद्ध वोटर की भूमिका निभाएगा।

अर्थव्यवस्था के विकास की गति तेज होगी

प्रहलाद सबनानी

किसी भी विकासशील देश में विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित अधोसंरचना का होना बहुत जरूरी है। कई बार तो विकसित अधोसंरचना के चलते ही देश को विकसित श्रेणी में गिन लिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से भारत में भी अधोसंरचना में क्रांतिकारी सुधार किए जाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस मद पर खर्च बढ़ाने के उद्देश्य से आम बजट में भी भारी वृद्धि की जा रही है। उम्दा अधोसंरचना से न केवल कार्यक्षमता में सुधार होता है बल्कि समय एवं खर्चों में भी बचत होती है।

केंद्र सरकार द्वारा अक्टोबर 2021 में गति शक्ति नामक मास्टर प्लान का शुभारम्भ किया गया है। इस योजना के अंतर्गत भारत में सड़क, रेल, बंदरगाह, विमानतल, यातायात, जलमार्ग, वायुमार्ग, लाजिस्टिक अधोसंरचना का तेज गति से विकास किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत, आने वाले 25 वर्षों के दौरान, भारत की अधोसंरचना को विकसित अवस्था में ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है एवं इस इस योजना पर महत्वाकांक्षी निवेश की योजना तैयार की गई है। जिसमें शामिल है, यातायात के विभिन्न साधनों को आपस में जोड़ने पर 100 लाख करोड़ रुपए का निवेश किए जाने की योजना ताकि यातायात के इन साधनों की कार्यक्षमता में भारी सुधार हो। केंद्र सरकार द्वारा पिछले 7 वर्षों के दौरान देश की अधोसंरचना को विकसित श्रेणी में लाए जाने हेतु काफी प्रयास किए गए हैं, जिसके कारण आज भारतीय रेल विश्व में सर्वाधिक लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने ले जाने वाला एक माध्यम बन गया है। रेल आज भारत की जीवन रेखा बन गई है। भारतीय रेलमार्ग का नेटवर्क आज पूरे एशिया एवं विश्व में सबसे बड़ा है। इसे अब न केवल आधुनिक बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं बल्कि रेल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक दौड़ाने की रफ्तार को बढ़ाए जाने के प्रयास भी किए जा रहे है।

दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका मजबूत स्थिति में, न्यूजीलैंड की नजरें ड्रॉ पर

क्राइस्टचर्च। क्विंटन डिकॉक के अचानक संन्यास लेने के बाद विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभालने वाले काइल वेरेने के पहले शतक से दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन सोमवार को अपना पलड़ा भारी रखा। वेरेने के नाबाद 136 रन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने चाय से ठीक पहले दूसरी पारी नौ विकेट पर 354 रन पर घोषित करके न्यूजीलैंड को 425 रन का लक्ष्य दिया जिसके बाद मेजबान टीम 94 रन पर चार विकेट गंवाकर संकट में है। कागिसो रबादा ने 34 गेंद में करियर की सर्वश्रेष्ठ 47 रन की पारी खेलकर वेरेने का अच्छा साथ दिया। रबादा ने इसके बाद न्यूजीलैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजों कप्तान टॉम लैथम (01) और विल यंग (00) को पवेलियन भेजकर उसका स्कोर नौ रन पर दो विकेट किया।बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने हेनरी निकोल्स (07) और डेरिल मिशेल (24) को बोल्ड करके न्यूजीलैंड की मसीबत बढ़ाई। दिन का खेल खत्म होने पर दक्षिण अफ्रीका में जन्में डेवोन कॉनवे 60 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि दूसरे छोर पर विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल एक रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं। न्यूजीलैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 19 साल में 17 प्रयास में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए सिर्फ ड्रॉ की जरूरत है लेकिन कल अंतिम दिन उसकी राह आसान नहीं रहने वाली। सोमवार का दिन वेरेने के नाम रहा। दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन मैच की टेस्ट श्रृंखला के दौरान डिकॉक के अचानक संन्यास लेने के बाद उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई।

मंधाना विश्व कप खेलने के लिए फिट, अभ्यास मैच के दौरान सिर पर गेंद लगने से हुई थी चोटिल

गियोरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने उस समय राहत की सांस ली जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले अभ्यास मैच में सिर पर गेंद लगने के बावजूद सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में खेलने के लिए फिट घोषित किया गया। पहले अभ्यास मैच के दौरान शब्निम इस्माइल की बाउंसर सिर में लगने के बाद मंधाना को रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। भारत ने यह मुकाबला दो रन से जीता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रिपोर्ट के अनुसार 25 साल की मंधाना की घटना के बाद टीम डॉक्टर ने जांच की और शुरुआत में उन्हें खेलना जारी रखने के लिए फिट घोषित किया गया। डेढ़ ओवर के बाद एक और जांच के बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि उस समय मेडिकल स्टाफ के अनुसार बाएं हाथ की इस बल्लेबाज में कनकशन (सिर में चोट) के कोई लक्षण नहीं दिख रहे थे। मंधाना अच्छी फॉर्म में चल रही हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में अपना 20वां अर्धशतक जड़ा।

विश्व ताइक्वांडो ने पुतिन से ब्लैक बेल्ट की उपाधि वापस ली, यूक्रेन पर हमले का विरोध किया

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूसी सेना के हमले के बाद खेल जगत में भी लगातार रूस का विरोध हो रहा है। रूस के साथ ही लोग रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भी विरोध कर रहे हैं। कई खेल संस्थाएं रूस पर प्रतिबंध लगा चुकी हैं। अब विश्व ताइक्वांडो ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से ब्लैक बेल्ट की मानद उपाधि भी छीन ली है। इसके साथ ही ताइक्वांडो से जुड़ी शीर्ष संस्था ने यूक्रेन पर रूसी सेना के हमले का विरोध किया है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय जूडो फेडेरेशन ने पुतिन को मानद अध्यक्ष पद से हटा दिया था।

पुतिन को नवंबर 2013 में ब्लैक बेल्ट की उपाधि दी गई थी। विश्व ताइक्वांडो ने पुतिन से ब्लैक बेल्ट की मानद उपाधि वापस लेते हुए यूक्रेन पर हुए हमले का विरोध किया। इसके साथ ही रूस और बेलारूस में ताइक्वांडो से जुड़ा कोई भी आयोजन नहीं होगा। इसके साथ ही विश्व ताइक्वांडो के किसी भी आयोजन में रूस और बोलारूस के झंडे को बैन किया गया है।

पैरा तीरंदाजी विश्व चैम्पियनशिप : पूजा जातयान ने जीता ऐतिहासिक रजत पदक

दुबई। पैरा तीरंदाज पूजा जातयान यहां पैरा विश्व चैम्पियनशिप के व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने में कामयाब रहीं। पूजा को फाइनल में इटली की पैट्रिली विंसेंजा से हार का सामना करना पड़ा जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चौबीस साल की इस पैरा तीरंदाज की निगाहें सीनियर स्तर पर पहली महिला तीरंदाज विश्व चैम्पियन बनने पर लगी थीं लेकिन गुरुग्राम की यह खिलाड़ी फाइनल में तोक्यो पैरालंपिक रजत पदक विजेता की चुनौती पार नहीं कर सकी और 3-7 (24-24, 23-21, 26-28, 24-26, 25-27) से हार गयीं।

उन्होंने ब्रिटेन की हेजल चेस्टी से 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6-2 से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया था। भारत ने इस तरह विश्व तीरंदाजी पैरा चैम्पियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अभियान दो रजत पदक से समाप्त किया। पूजा और उनके ही समान नाम की सीनियर साथी पूजा खन्ना टीम कांस्य पदक के लिये

मंगोलिया की प्रतिद्वंद्वियों के सामने थीं लेकिन उन्हें 1-5 से हार का सामना करना पड़ा।

श्याम सुंदर स्वामी और ज्योति बालियान की कम्पाउंड मिश्रित जोड़ी ने इससे पहले रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला था जो देश का विश्व तीरंदाजी पैरा चैम्पियनशिप में पहला पदक भी था। चौथी वरीय के तौर पर क्वालीफाई करने वाली पूजा ने अपना अभियान पूजा खन्ना को 7-1 से हराकर शुरू किया था। क्वार्टरफाइनल में उन्हें श्वेतलाना बारांतसेवा से कड़ी चुनौती मिली लेकिन वह 6-4 से जीत दर्ज करने में सफल रहीं।

आज की तुलना में हमारे समय में पत्रकारों के साथ समीकरण काफी बेहतर थे : शास्त्री

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना ??है कि उनकी पीढ़ी के खिलाड़ियों का पत्रकारों के साथ जैसा बेहतर तालमेल था, वह मौजूदा दौर के क्रिकेटरों और उन्हें कवर करने वाले लेखकों की तुलना में कहीं बेहतर था।

भारत के लिए 80 टेस्ट और 150 एकदिवसीय खेलने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि मीडिया हर युग और समय से जुड़ रहा है। इसमें काफी विकास हुआ है। मीडिया हाउस, इलेक्ट्रॉनिक और अब डिजिटल मीडिया के आने के बाद खिलाड़ियों के लिए दोस्त बने रहना बहुत मुश्किल है।

शास्त्री ने खालिद ए-एच अंसारी के एक संस्मरण 'इट्स ए वंडरफुल वर्ल्ड' के लॉन्च पर कहा, '' मुझे लगता है कि इसमें काफी बदलाव हुआ है।जब हम खेल रहे थे तब से काफी बदलाव हुआ है।पत्रकारों के साथ हमारे जो समीकरण थे, वह आज के खिलाड़ियों के मुकाबले काफी बेहतर थे।मैं पिछले सात सालों सेड्रेसिंग रूम का हिस्सा हूं।''

शास्त्री के इन बातों के संदर्भ को समझना मुश्किल नहीं था क्योंकि हाल ही में भारत के अनुभवी विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने आरोप लगाया था कि एक पत्रकार ने साक्षात्कार के लिए उन्हें कथित रूप से 'धमकी दी थी। शास्त्री उन प्रमुख पूर्व खिलाड़ियों में से एक थे जिन्होंने साहा से पत्रकार का सार्वजनिक रूप से नाम लेने और उन्हें शर्मसार करने का आग्रह किया था।

इस पूर्व हरफनमौला ने कहा कि वह इन चीजों के लिए हालांकि पत्रकारों और खिलाडियों को दोषी नहीं मानते है। उन्होंने कहा, '' हालांकि मैं लोगों (पत्रकारों और खिलाड़ियों) को दोष नहीं देना चाहता हूं, क्योंकि आज के खिलाड़ियों पर जो सुर्खियां

मिलतीहै, वैसा हमारे समय में नहीं था। हमारे समय में प्रिंट मीडिया के अलावा टेलीविजन (दूरदर्शन) शुरू ही हुआ था। लेकिन आज मीडिया और सोशल मीडिया में मौजूद मंचों के साथ, खेल को कवर करने वाले समाचार चैनलों की संख्या अविश्वसनीय रूप से काफी ज्यादा है।

लीवरपूल ने पेनल्टी शूट आउट में चेल्सी को 11-10 से हराकर लीग कप जीता

लंदन। लीवरपूल ने रविवार को लीग कप के फाइनल में चेल्सी को पेनल्टी शूट आउट में 11-10 से हराकर एक दशक में पहला घरेलू फुटबॉल फाइनल जीता। दोनों टीम के खिलाड़ियों ने शुरुआती 10 पेनल्टी को गोल में बदला जिसके बाद पेनल्टी लेने की बारी दोनों टीम के गोलकीपर की आई। लीवरपूल के गोलकीपर साओमहिन केलेहर ने पेनल्टी को गोल में बदला लेकिन चेल्सी के गोलकीपर केपा अरिजाबालगा चूक गए जिससे लीवरपूल ने खिताब जीता। केपा को पेनल्टी विशेषज्ञ के रूप में अतिरिक्त समय की समाप्ति से ठीक पहले 120वें मिनट में उतारा गया था।इससे पहले उनकी जगह खेल रहे एडवर्ड मेंडी ने शानदार बचाव

किए जिससे मुकाबला गोल रहित बराबर चल रहा था। लीवरपूल ने पिछला घरेलू कप फाइनल 2012 लीग कप के रूप में जीता था। टीम ने 2019 में चैंपियन्स लीग और 2020 में प्रीमियर लीग खिताब भी जीता। मैच से पहले रूस के हमले को देखते हुए युक्रेन के लोगों से एकजुटता दिखाई गई। इस दौरान युक्रेन का नीला और पीला रंग स्क्रीन पर दिखाया गया और दर्शकों ने तालियां बजाई।

शाहीन अफरीदी टी20 लीग जीतने वाले सबसे कम उम्र के कप्तान बने

कराची। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी किसी बड़ी टी20 लीग का खिताब जीतने वाले सबसे युवा कप्तान बने जब उनकी अगुआई में लहौर कलंदर्स ने लाहौर में मुल्तान सुल्तान्स को हराकर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) खिताब जीता। अफरीदी21 साल के हैं। इससे पहले का रिकॉर्ड आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ के नाम था जिन्होंने 2012 में 22 साल की उम्र में सिडनी सिक्सर्स की अगुआई करते हुए टीम को बिग बैश खिताब दिलाया था। किसी भी स्तर पर टीम की कप्तानी नहीं करने वाले अफरीदी को पीएसएल सत्र से पहले लाहौर फ्रेंचाइजी ने कप्तान बनाकर हैरान किया था। हालांकि टीम प्रबंधन का यह फैसला सही साबित हुआ। लाहौर कलंदर्स ने फाइनल में 42 रन की आसान जीत दर्ज की। टीम ने 25 रन पर तीन विकेट गंवाने के बावजूद वापसी करते हुए अनुभवी मोहम्मद हफीज (69), हैरी ब्रूक (नाबाद 41) और डेविड वाइसी (नाबाद 28) की पारियों की बदौलत पांच विकेट पर 180 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। ब्रूक और वाइसी ने सिर्फ 2.4 ओवर में 43 रन की अटूट साझेदारी की। इसके जवाब में अफरीदी (30 रन पर तीन विकेट), मोहम्मद हफीज (23 रन पर दो विकेट) और जमन खान (26 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने मुल्तान की टीम 19.3 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। मुल्तान सुल्तान्स की ओर से खुशदिल शाह ने सर्वाधिक 32 रन बनाए।

श्रेयस अय्यर बोले- मेरे लिए बल्लेबाजी में तीसरा नंबर सर्वश्रेष्ठ

धर्मशाला। श्रेयस अय्यर को मैच खत्म करना पसंद है लेकिन श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की इच्छा जताई है जिस स्थान पर आम तौर पर दिग्गज विराट कोहली बल्लेबाजी करते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय के बाद कोहली को जैविक रूप से सुरक्षित माहौल से आराम दिया गया जिसके बाद अय्यर ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के खिलाफ तीन अर्धशतक जड़े और भारत ने श्रृंखला में 3-0 से क्लीनस्वीप किया। अय्यर ने तीसरे मैच में भारत की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं स्वयं से या फिर टीम के कोच से कोई उम्मीद नहीं लगा रहा क्योंकि टीम में काफी प्रतिस्पर्धा है। उन्होंने कहा, सभी खिलाड़ी आपको मैच जिताने में सक्षम हैं। निजी तौर पर मैं प्रत्येक लम्हे और मौके का लुत्फ उठाना चाहता हूं जो मुझे मिलेगा। अय्यर ने कहा, मुझे मैच को खत्म करना पसंद है और मैं पिच पर हमेशा इसी मानसिकता के साथ उतरता हूं। अय्यर ने हालांकि कहा कि अगर विकल्प मिलता है तो वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, बेशक इस प्रारूप में शीर्ष तीन क्रम के बल्लेबाज ही अपनी पारी की योजना काफी अच्छी तरह बना सकते हैं। अन्यथा अगर आप निचले क्रम में बल्लेबाजी करो तो आपके पास समय नहीं होता और आपको पहली गेंद से ही तेजी से रन बनाने होते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए हां अगर निजी तौर पर बताना हो तो मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ स्थान बेशक तीसरा नंबर है। श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए अय्यर टीम में अपने स्थान के बारे में अधिक नहीं सोच रहे और टी20 विश्व कप से पहले अपनी अच्छी फॉर्म का लुत्फ उठा रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एगर के साथी को भेजी गयी ऑनलाइन धमकी पर पीसीबी कहा, विश्वसनीय नहीं

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दावा किया है कि उनके देश के दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सदस्य एस्टन एगर की साथी को धमकी भेजी गई थी, लेकिन बोर्ड की जांच के बाद यह 'विश्वसनीय' नहीं पायी गयी। ऑस्ट्रेलिया की टीम 24 साल बाद कड़ी सुरक्षा के बीच पाकिस्तान का दौरा कर रही है।बोर्ड से जारी बयान में कहा गया, '' पीसीबी को उस सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में पता है। पीसीबी , क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और दोनों देशों की संयुक्त सरकारी सुरक्षा एजेंसियों ने इसकी जांच की है।''

उन्होंने कहा, ''इस प्रकार की सोशल मीडिया गतिविधि के लिए व्यापक सुरक्षा योजना मौजूद हैं, जिन्हें इस मामले में जोखिम नहीं माना जाता है। इस समय कोई और टिप्पणी नहीं की जाएगी।''सोशल मीडिया पर एगर की साथी मेडेलीन को संदेश भेजा गया था, जिसकी सूचना तुरंत क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और पीसीबी को दी गई। सूत्र ने कहा, '' ऑस्ट्रेलियाई टीम की सुरक्षा दल ने भी मामले की जांच की और इसे एक विश्वसनीय खतरा नहीं माना।''न्यूजीलैंड ने जब पिछले साल सितंबर में पाकिस्तान का दौरा किया था तो टीम को सोशल मीडिया पर धमकियां दी गई। टीम अपनी सरकार की सलाह पर श्रृंखला खेले बिना दौरे को छोड़ वापस लौट गयी थी।

धर्म के नाम पर दुर्व्यवहार करने वालों को मोहम्मद शमी का जवाब, 'ऐसे लोग सच्चे हिन्दुस्तानी नहीं हो सकते'

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 2021 में हुए पुरुष टी 20 विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भारत की हार के बाद सोशल मीडिया पर अपने साथ हुई गाली पर अपनी चुप्पी तोड़ी। टी20 विश्व कप में भारत पाकिस्तान ने बुरी तरह 10 किकेट से हारा था कोई भी गेंदबाज पाकिस्तान का एक भी विकेट नहीं ले पाया था वहीं मोहम्मद शमी की गेंद पर चौके-छक्कों की बाबर आजम और रिजवान ने बारिश की थी। फैंस मोहम्मद शमी से काफी नाराज हुए थे और उन्हें उनकी गेंदबाजी के कारण काफी ट्रोल भी किया गया था।मोहम्मद शमी और उनके समुदाय के लिए काफी गलत शब्दों का सोशल मीडिया पर प्रयोग हुआ था। मोहम्मद शमी के समर्थन में क्रिकेट जगत आ गया था। सभी ने ट्रोल करने वाले लोगों पर शर्मिंदगी जताई थी।दुबई में बाबर आज़म के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी टीम 10 विकेट की जीत के बाद, शमी को धर्म के आधार पर ऑनलाइन दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा क्योंकि भारत इतिहास में पहली बार अपने पड़ोसियों से विश्व कप का खेल हार गया था। शमी को मिले घृणित संदेशों के बाद, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और वीवीएस लक्ष्मण सहित भारतीय क्रिकेट बिरादरी के विभिन्न दिग्गज उनके समर्थन में आए। विराट कोहली, जो वैश्विक

आयोजन के दौरान भारतीय कप्तान थे, ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोशल मीडिया पर शमी को अपशब्द कहने वालों का खंडन किया।नुभव के बारे में बात करते हुए, शमी ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि ट्रोलर्स न तो असली प्रशंसक हैं और न ही असली भारतीय और दावा किया कि वह इस तरह की टिप्पणियों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। इस तरह की सोच का कोई इलाज नहीं है। (धर्म पर) ट्रोल करने वाले न तो असली प्रशंसक हैं और न ही असली भारतीय। यदि आप किसी खिलाड़ी को हीरो मानते हैं और फिर इस तरह का व्यवहार करते हैं, तो आप भारतीय समर्थक नहीं हैं। और मुझे लगता है कि ऐसे लोगों द्वारा की गई टिप्पणियों से किसी को आहत नहीं होना चाहिए।

शमी ने आगे कहा कि ÷मेरे दिमाग में बस एक ही बात चल रही थी। अगर मैं किसी को अपना आदर्श मानता हूं, तो मैं उस व्यक्ति के बारे में कभी भी बुरा नहीं बोलूंगा। और अगर कोई मुझे आहत करने वाली बात कह रहा है, तो वह मेरा प्रशंसक या भारतीय टीम का प्रशंसक नहीं हो सकता। इसलिए वास्तव में, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह क्या कहते हैं, शमी ने आगे बताया कि इस तरह की टिप्पणियां लोगों की मानसिकता और निम्न स्तर की शिक्षा को दर्शाती हैं और कहा कि उन्हें यह साबित करने की आवश्यकता नहीं है कि देश उनके लिए क्या मायने रखता है।

टीम संयोजन : श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में गिल तीसरे, पंत पांचवें और विहारी छठे नंबर पर उतर सकते हैं

नई दिल्ली । रोहित शर्मा का कप्तान के रूप में पहला टेस्ट भारत के मध्यक्रम के लिये भी नये युग की शुरुआत करेगा जिसमें शुभमन गिल और हनुमा विहारी को अनुभवी चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की जगह लेने के लिये तैयार किया जाएगा। यह अब स्पष्ट है कि रहाणे और पुजारा को इस सत्र में होने वाले तीन टेस्ट मैचों (श्रीलंका के खिलाफ दो और इंग्लैंड के खिलाफ एक) के लिये टीम में नहीं रखा जाएगा।

इन मैचों में विहारी और गिल इन दोनों का विकल्प होंगे जबकि श्रेयस अय्यर को 'बैकअप' के रूप में रखा जाएगा। भारत ने केपटाउन में जो आखिरी टेस्ट मैच खेला था उसमें दो स्थान खाली हैं और जब विराट कोहली मोहाली में अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने के लिये उतरेंगे तब ये तीनों युवा खिलाड़ी इन स्थानों पर अपना दावा मजबूत करने की

कोशिश करेंगे जिन पर पिछले एक दशक से पुजारा और रहाणे का कब्जा रहा था। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर ये तीनों फिट रहते हैं तो चार मार्च से शुरू होने वाले टेस्ट मैच में किसे बाहर बिठाया जाएगा।गिल अब खेलने के लिये तैयार हैं तो मुख्य कोच राहुल द्रविड़ उन्हें मध्यक्रम में उतारना पसंद करेंगे। इसकी पूरी संभावना है कि गिल को रोहित शर्मा और मयंक अग्रवाल के बाद तीसरे नंबर पर उतारा जाएगा। पूर्व भारतीय ओपनर देवांग गांधी ने कहा , मेरा मानना है कि नंबर तीन के लिये शुभमन सबसे अच्छा विकल्प है। वह पारी की शुरुआत कर सकता है लेकिन रोहित के साथ पारी का आगाज करने के लिये मयंक है और ऐसे में शुभमन के लिये तीसरा नंबर आदर्श होगा। जनवरी 2021 तक राष्ट्रीय चयनकर्ता रहे गांधी ने कहा कि आस्ट्रेलिया में सलामी बल्लेबाज के रूप में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने से पहले गिल को शुरू में मध्यक्रम की भूमिका के लिये तैयार किया जा रहा था। गांधी ने कहा, ''मुझे क्यों लगता है कि टीम प्रबंधन उसे नंबर तीनपर उतार सकता है क्योंकि जब हमने उस पर गौर किया था तो तब उसने वेस्टइंडीज ए के खिलाफ मध्यक्रम में खेलते हुए दोहरा शतक लगाया था।उन्होंने कहा, इसके अलावा वह टेस्ट मैचों में पारी की शुरुआत कर चुका है तथा नंबर तीन पर वह नयी गेंद को भी अच्छी तरह से खेल सकता है।

रहाणे मुख्य रूप से नंबर पांच पर बल्लेबाजी करते थे लेकिन पूरी संभावना है कि द्रविड़ और रोहित इस नंबर पर ऋषभ पंत को उतार सकते हैं जबकि विहारी छठे नंबर पर उतरेंगे। गांधी ने कहा, यदि आप हमारे शीर्ष क्रम को देखो तो मयंक, रोहित, शुभमन और विराट सभी दायें हाथ के बल्लेबाज हैं। ऐसे में यह बेहतर होगा कि पांचवें नंबर का बल्लेबाज वामहस्त हो जिससे दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बन जाए। इसके बाद विहारी छठे नंबर पर और फिर रविंद्र जडेजा सातवें नंबर पर उतर सकते हैं जो बायें हाथ के बल्लेबाज हैं। बल्लेबाजी क्रम इस तरह से तैयार किया जा सकता है। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिये संभावित भारतीय टीम संयोजन : रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हनुमा विहारी, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन (फिटनेस पर निर्भर)/जयंत यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।

यूक्रेन के 20 पैरालंपिक एथलीट नहीं पहुंचे बीजिंग, इसी हफ्ते शुरू होगा विंटर पैरालंपिक

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) ने कहा कि यूक्रेन पैरालंपिक टीम के 20 खिलाड़ी बीजिंग नहीं पहुंचे हैं। इस हफ्ते से शीतकालीन पैरालंपिक खेल शुरू होना है।

आईपीसी प्रवक्ता क्रैग स्पेंस ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि शुक्रवार को शुरू हो उद्घाटन समारोह तक एथलीट चीन पहुंच जाएंगे। हालांकि, खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए यह बताने से मना कर दिया कि वे कहां पर हैं। उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन से खेल के प्रतिनिधित्व के लिए लगातार बात कर रहे हैं और उन्हें यहां लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। बीजिंग में 4 मार्च से शीतकालीन पैरालंपिक खेल की शुरुआत होगी, जो 13 मार्च तक चलेगा। इसमें 49 प्रतिनिधिमंडल से 650 एथलीट खेल में हिस्सा लेंगे।

विदेश संदेश

यूएसए को 2022 के लिए 65,000 एच-1बी वीजा सीमा के लिए पर्याप्त आवेदन मिले: यूएससीआईएस

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय एजेंसी ने बताया कि वित्त वर्ष 2022 के लिए कांग्रेस द्वारा तय 65,000 एच-1बी वीजा सीमा तक पहुंचने के लिए अमेरिका को पर्याप्त आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। एच-1बी वीजा एक गैर प्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले विशेष कार्यों के लिए विदेशी कर्मियों को तैनात करने की अनुमति देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मियों की नियुक्ति के लिए इसी वीजा पर निर्भर रहती हैं। भारत समेत विदेशी पेशेवरों में इस कार्य वीजा की सर्वाधिक मांग रहती है। अमेरिकी संसद के आदेशानुसार, अमेरिका हर साल अधिकतम 65,000 एच-1बी वीजा और अमेरिकी उन्नत डिग्री छूट श्रेणियों के तहत अतिरिक्त 20,000 एच-1बी वीजा जारी कर सकता है।वीजा संबंधी सभी आवेदनों की हर साल छंटनी करने वाली अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईसी) ने सोमवार को घोषणा की कि उसे वित्त वर्ष 2022 के लिए संसद द्वारा तय 65,000 की एच-1बी नियमित सीमा और अमेरिकी उन्नत डिग्री छूट के तहत 20,000 एच-1बी वीजा की सीमा तक पहुंचने के लिए पर्याप्त आवेदन मिल गए हैं। उसने बताया कि पंजीकरण कराने वाले जिन आवेदकों का चयन नहीं किया गया है, उन्हें उनके ऑनलाइन खातों के जरिए इसकी सूचना दी जा चुकी है।

12 रूसी संयुक्त राष्ट्र राजनयिकों को अमेरिका ने किया निष्कासित

न्यूयार्क। रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई से पूरी दुनिया चिंतित है। दोनों देश की जंग खतरनाक पड़ाव पर पहुंच चुकी है। वहीं इस बीच संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजनयिक मिशन के बारह सदस्यों को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निष्कासित कर दिया गया है। जो 'जासूसी गतिविधियों' में शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह बात कही।

क्या कहा स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने

संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, वसीली नेबेंजिया ने कहा, 'मुझे अभी यह जानकारी मिली है कि अमेरिकी अधिकारियों ने संयुक्त राष्ट्र में रूसी मिशन के खिलाफ एक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई की है, मेजबान देश समझौते के तहत उनकी प्रतिबद्धताओं का घोर उल्लंघन किया है। उन्होंने हमें बताया कि वे रूसी मिशन के कर्मियों में से 12 लोगों (संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों) की घोषणा कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि वे 7 मार्च तक चले जाएं।' संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत वसीली नेबेंजिया संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रेसीडेंसी प्रेस कान्फ्रेंस के अंत को संबोधित कर रहे थे, जब उन्हें एक टेलीफोन काल आया जिसमें उन्हें अमेरिका द्वारा अपने राजनयिकों के निष्कासन की सूचना दी गई थी। बता दें कि रूस फरवरी महीने के लिए 15 देशों की सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष था।

यूएस मिशन राष्ट्र के प्रवक्ता ओलिविया डाल्टन ने कहा

इस बीच, एक बयान में, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन के प्रवक्ता ओलिविया डाल्टन ने कहा कि अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र और रूसी स्थायी मिशन को संयुक्त राष्ट्र को सूचित किया था कि 'हम रूसी मिशन से 12 खुफिया गुर्गों को निकालने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं जिन्होंने निवास के अपने विशेषाधिकारों का दुरुपयोग किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका में जासूसी गतिविधियों में शामिल होकर जो हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रतिकूल हैं।' उन्होंने आगे बताया, 'हम यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय समझौते के अनुसार कर रहे हैं। यह कार्रवाई कई महीनों से चल रही है।'

ईरान के तबरीज शहर में एफ-5 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलट समेत एक नागरिक की मौत

तेहरान। उत्तर पश्चिमी ईरान के तबरीज शहर में लड़ाकू विमान एक स्टेडियम में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में दो पायलटों और एक नागरिक की मौत हो गई। तेहरान की समाचार एजेंसी आइआरएनए ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी आइआरएनए ने कहा कि स्न-5 फाइटर 16 लाख (1.6 मिलियन) निवासियों के शहर तबरीज के एक आवासीय क्षेत्र में एक स्टेडियम में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। दुर्घटना से जुड़ी अधिक जानकारी देते हुए तबरीज में हवाई अड्डे के कमांडर जनरल रेजा यूसेफी ने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त जेट का इस्तेमाल प्रशिक्षण के लिए किया गया था और इसकी अंतिम उड़ान में तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा।

यूक्रेन पर कब्जे से बस 25 किलोमीटर दूर है रूसी सेना

कीव। यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों में भारी लड़ाई जारी है, कुछ सेटेलाइट तस्वीरें भी सामने आयी है जिनसे संकेत मिलता है कि रूस 64 किमी से अधिक तक फैले एक विशाल सैन्य काफिले के साथ कीव को घेरने की कोशिश कर रहा है। इस बीच, यूक्रेनी खुफिया ऐजेंसियों से मिली जानकरी के अनुसार बेलारूस रूस के आक्रमण में ÷शायद सीधे भाग लेने के लिए तत्परता÷ दिखा रहा है वह रूस को युद्ध में मदद कर सकता हैं। बेलारूस को अमेरिका ने इस मामले में दूर रहने के लिए कहा है और चेताया है कि बेलारूस ने अगर रूस का साथ दिया तो उसे घातक परिणाम भुगतने होंगे। मैक्सार टेक्नोलॉजीज की सैटेलाइट इमेजरी के अनुसार, बख्तरबंद वाहनों, टैंकों, तोपखाने और सहायक वाहनों का विशाल काफिला कीव के केंद्र से 17 मील (25 किलोमीटर) दूर था। काफिला रविवार से इकट्ठा हो रहा है और अब एंटोनोव हवाई अड्डे के पास, राजधानी से लगभग 29 किमी, प्रिबिर्स्क शहर तक - लगभग 64 किमी की दूरी पर सड़क के पूरे हिस्से को कवर किया गया है। जबकि कुछ क्षेत्रों में वाहनों को काफी दूर रखा गया था, सैन्य उपकरण और इकाइयाँ दो या तीन वाहनों के बीच सड़क पर यात्रा कर रही हैं। जिन सड़कों पर काफिला जा रहा है, वहां कई घरों और अन्य इमारतों को जलते देखा गया है। तस्वीरों में दक्षिणी बेलारूस में जमीनी बलों और जमीनी हमले के हेलीकॉप्टर इकाइयों की तैनाती को भी दिखाया गया है। रूसी सेनाओं ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर सोमवार को बमबारी की। इसके साथ ही रूसी सेना यूक्रेन की राजधानी कीव के और करीब पहुंच गई है और करीब 40 मील के काफिले में रूस के टैंक और अन्य सैन्य वाहन कूच कर रहे हैं। वहीं, युद्ध को रोकने के लिए चल रही वार्ता केवल आगे की दौर की वार्ता पर सहमति बनने के साथ ही समाप्त हो गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि बमबारी में वृद्धि केवल उनपर दबाव बनाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने सोमवार को देर रात जारी वीडियो संदेश में कहा, ''रूस इन आसान तरीकों से (यूक्रेन पर) दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

कैलिफोर्निया के सैक्रेमेंटो में फायरिंग से पांच की मौत, मृतकों में हमलावर व उसके तीन बच्चे शामिल

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैक्रेमेंटो चर्च में शाम हुई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में हमलावर के तीन बच्चे व वह स्वयं भी शामिल हैं। एक अन्य मृतक की अभी पहचान नहीं हो सकी है।

चर्च में गोलीबारी की आवाज सुन लोगों ने तुरंत पुलिस व आपात सेवाओं के विभाग को सूचना दी। बचाव व राहत दल तत्काल मौके पर पहुंचा। वहां पांच लोगों को बुरी तरह से घायल हालत में पाया गया। बंदूकधारी ने चार लोगों को गोली मारने के बाद स्वयं को भी गोली मार ली।

खबर दी है कि तीनों मृत बच्चे 15 साल से कम उम्र के हैं। गोलीबारी के बाद संदिग्ध हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली। सैक्रेमेंटो काउंटी के शेरिफ के प्रवक्ता रॉड ग्रासमैन ने मीडिया को यह जानकारी दी।

इन चार के अलावा पांचवां मृतक कौन है, उसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। घटना चर्च के अंदरुनी हिस्से में हुई। यह चर्च आर्डन-आर्केड एरिया के वायडा वे इलाके में स्थित है। एक श्रमिक ने सबसे पहले शाम 5.07 बजे गोली की आवाज सुनी। उसने तुरंत वहां से दौड़ लगाई व पुलिस को सूचित किया।

सूचना मिलते ही पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के दल मौके पर पहुंचे व पूरे इलाके की घेराबंदी की। शेरिफ कार्यालय ने बताया कि घटना की जांच जारी है। आरंभिक रूप से यह घरेलू हिंसा का मामला होने की आशंका है।

अपनी मार्मिक अपीलों से जेलेंस्की ने हासिल किया दुनिया का समर्थन, पत्नी ने भी जनता को दिया ये पैगाम

मास्को। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की ने अपने शब्दों से आज यूक्रेन की जनता के अंदर जोश भर दिया है। उनके बोले गए शब्दों ने आज यूक्रेन के हर नागरिक और सैनिक बना दिया है और रूस की जनता के दिलों में भी जगह बना ली। उनकी मार्मिक अपीलों को सुनकर पूरी दुनिया के लोगों का दिल पसीज गया। जर्मनी की अनुवादक तो उनका संबोधन पढ़ते समय रुआंसी सी हो गई।सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में यूक्रेन के राष्ट्रपति रूसी भाषा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर हमारे देश पर हमला हुआ तो रूस की सेना हमारे चेहरे देखेगी, हमारी पीठ नहीं। अपने इस भावुक संबोधन में उन्होंने कहा- हम रूस से युद्ध नहीं चाहते। जहां हमने पढ़ाई की, ओर्टिमा स्क्रीन की जहां मैं अपने दोस्तों के साथ घूमा हूं। शचरबकोव पार्क, जहां मैंने दोस्तों के साथ शराब पी थी, जब हम मैच हार गए थे। लुहांस्क जहां मेरे सबसे अच्छे दोस्त की मां दफन है और पिता भी विश्राम करते हैं उनके इस संबोधन के बाद युद्ध के विरोध में रूस में भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गए। आपको बता दें युद्ध की शुरुआत के दिन गुरुवार की शाम यूक्रेन के राष्ट्रपति ने एक संदेश जारी करते हुए पश्चिमी नेताओं को चेताया कि अगर आज यूक्रेन की मदद नहीं करेंगे तो कल उन्हें कुछ करने का मौका नहीं

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के 26 साल के बेटे का निधन, जन्म से ही थी सेरेब्रल पाल्सी बीमारी

वाशिंगटन। विश्व की अग्रणी टेक्नालॉजी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के 26 वर्षीय बेटे जेन नडेला का निधन हो गया। जेन नडेला को जन्म से ही सेरेब्रल पाल्सी बीमारी थी।

माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार जेन का निधन सुबह हुआ। कंपनी ने अपने स्टाफ को मेल कर यह दुखद सूचना दी। 2014 में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ बनने के बाद से सत्या नडेला ने कंपनी के उत्पादों को डिजाइन करने पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि दिव्यांग उपयोगकर्ताओं को भी बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें। इस काम में उन्होंने जेन की सेवा करते हुए मिले अनुभवों का भी सहारा लिया। बयान में कहा गया है कि जेन को संगीत का शौक था।

जेन का अधिकांश वक्त अमेरिका के सिएटल स्थित चिल्ड्रंस हॉस्पिटल में बीता। यहां पिछले साल सत्या नडेला ने जेन नडेला न्यूरो साइंसेस सेंटर की स्थापना की, ताकि मस्तिष्क रोगों को लेकर एकीकृत शोध किया जा सके। इस अस्पताल के सीईओ जेफ स्परिंग ने अपने संदेश में लिखा कि जेन को संगीत की अच्छी पकड़ थी। उसकी मुस्कान और अपने परिवार और अपने प्रियजनों को उनके द्वारा दी गई खुशी के लिए याद रखा जाएगा।

सेरिब्रल पॉल्सी पीड़ित व्यक्ति के मस्तिष्क के असामान्य विकास या उन हिस्सों को नुकसान पहुंचने के कारण होती है, जिनसे शरीर का संचालन व संतुलन रहता है। इस कारण पीड़ित व्यक्ति मांसपेशियों का सामान्य ढंग से संचालन नहीं कर पाता है। सेरिब्रल पॉल्सी से ग्रस्त बच्चों में मानसिक रोग, सीखने में अक्षमता, देखने, सुनने व बोलने में समस्याएं आती हैं।

रूसी टैंक के सामने सीना तानकर निहत्थे खड़ा हो गया यूक्रेनी शख्स, देश के लिए नहीं की जान की परवाह

संयुक्त राष्ट्र। रूस और यूक्रेन के बीच जंग का छठा दिन हैं। रूस की सेना यूक्रेन की राजधानी कीव पर बमबारी कर रही है तो वहीं खारकीव में भी संघर्ष जारी है।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जे के लिए रूस की तरफ से बेहद बड़ा सैन्य काफिला भेजा गया है। रूस का 64 किलोमीटर लंबा काफिला कीव की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

रूसी हमले के बाद अब तक यूक्रेन की तरफ भेजा गया ये सबसे लंबा सैन्य काफिला है। लेकिन रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आई है।

रूसी टैंक के काफिले के सामने यूक्रेन के नागरिक आ खड़े हुए हैं। यूक्रेन के आधिकारिक हैंडल से इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए वीडियो में एक नागरिक को रूसी टैंक द्वारा सड़क पर तेजी से पीछे की ओर धकेलते हुए दिखाया गया है। इसके बावजूद वो हाथों को टैंक के सामने रखता हुआ घसीटता है, जब तक की टैंक रूक नहीं जाता है। इसके बाद वो आदमी घुटनों के बल गिर जाता है। वहीं स्थानीय निवासी उसकी ओर आने के लिए दौड़ पड़ते हैं। यूक्रेन की सरकार की ओर शेयर करते हुए लिखा गया है कि रूस सालों से झूठ बोल रहा है कि यूक्रेन में लोग 'कैद' में हैं।वीडियो में दिख रहे यूक्रेनी नागरिक की तुलना बीजिंग के थ्येन आन मन चौक पर टैंक को रोकने वाले टैंकमैन की तस्वीर से की जा रही है। बता दें कि साल 1989 की वह मशहूर तस्वीर उस वक्त की है, जब बीजिंग में लोकतंत्र के समर्थन में छात्रों-नौजवानों के प्रदर्शन को चीन की सरकार ने क्रूरता के साथ कुचल दिया था।

जासूसी के आरोप में रूस के 12 राजनयिकों को अमेरिका छोड़ने के आदेश

वाशिंगटन

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में रूसी मिशन के 12 राजनयिकों को देश छोड़ने के आदेश दिए हैं। इन रूसी नागरिकों पर राजनयिक के ह्यवेशह्ल में जासूसी के आरोप हैं। अमेरिका छोड़ने के लिए इन राजनयिकों को सात मार्च तक का समय दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि रूसी मिशन के इन राजनयिकों ने अमेरिका में रहते हुए अपने विशेषाधिकारों का हनन किया है।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

211019 से प्रकाशित

स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा

विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा प्रयागराज

से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506

यूक्रेन सीमा पर बाधा: फंसे भारतीयों को निकालने के पूरी ताकत से प्रयास, संयुक्त राष्ट्र को कराया हालात से अवगत

संयुक्त राष्ट्र। भारतीयों को यूक्रेन सीमा से निकालने में बाधा आ रही है। वहां के जटिल हालात को लेकर भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र को अवगत कराया। भारत अपने नागरिकों की निकासी के पूरे प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही यूक्रेन के पड़ोसी देशों द्वारा भारत के लोगों को निकालने में मदद के प्रति आभार भी जताया।

भारत के स्थायी दूत टीएस तिरुमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन के हालात पर आपात सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीयों को निकालने के हरसंभव उपाय किए जा रहे हैं। तिरुमूर्ति ने कहा कि इस महत्वपूर्ण मानवीय संकट को जल्द से जल्द हल करने की जरूरत है।

कूटनीतिक हल के अलावा कोई चारा नहीं

तिरुमूर्ति ने संयुक्त महासभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत का स्पष्ट मानना है कि यूक्रेन संकट का कूटनीतिक हल निकालने के अलावा कोई चारा नहीं है। भारत हमेशा से चाहता है कि विवादों का शांतिपूर्ण हल निकाला जाना चाहिए। इसलिए यूक्रेन के मामले में भी कूटनीति के रास्ते पर लौटना चाहिए।

यूक्रेन के हालात से भारत चिंतित

यूएन महासभा के साथ ही सुरक्षा परिषद में भी यूक्रेन के हालात पर विचार हो रहा है। सुरक्षा परिषद में तिरुमूति ने कहा कि भारत तत्काल हिंसा रोकने का आह्वान करता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने हाल ही में रूस व यूक्रेन के नेतृत्व से बात कर इस पर जोर दिया है। भारत हर तरह की शत्रुता तत्काल खत्म कराने के पक्ष में है। हम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत के पक्ष में हैं। हालांकि रूस व यूक्रेन के बीच सोमवार को सीधी बातचीत बेनतीजा रही है। यूएन में रूस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पर विचार हो रहा है। हाल ही में भारतीयों के यूक्रेन सीमा पार करने के दौरान तनाव व हमलों आदि के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुए हैं। इनसे चिंता बढ़ गई है। यूक्रेन के कई पड़ोसी देश अपनी सरजमीं पर भारतीयों की खुलकर मदद भी कर रहे हैं। भारत अपने नागरिकों को रोमानिया व हंगरी के रास्ते निकाल रहा है।

रविवार के बाद से सात विशेष उड़ानों के जरिए भारतीयों को स्वदेश लाया गया है, लेकिन कई नागरिक उन इलाकों में फंस गए हैं, जहां भीषण जंग जारी है। पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया व रोमानिया भारत की मदद कर रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी स्वयं भारतीयों की निकासी में जुटे हैं। वे बीते 48 घंटों में तीन उच्च स्तरीय बैठकें कर चुके हैं। चार केंद्रीय मंत्रियों को यूक्रेन के सीमावर्ती देशों में भेजा जा रहा है, ताकि तेजी से निकासी हो सके।

भारत से हो रही नियमित बात : अमेरिका

इस बीच, पिछली यूएनएसी बैठक में मतदान के दौरान भारत की अनुपस्थिति पर अमेरिका ने कहा कि भारत के साथ हमारे बहुत निकट के संबंध हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि हमारी भारतीय साझेदारों के साथ नियमित चर्चा होती है। हर स्तर पर बहुपक्षीय मंचों पर बातचीत होती है। इस बारे में भी हमारी बात हुई थी।

रूस और यूक्रेन का युद्ध हुआ और भीषण, क्लस्टर और वैक्यूम बमों का हो रहा इस्तेमाल! कहा जाता है फॉदर ऑफ ऑल बम

कीव। रूस की तरफ से यूक्रेन पर दबाव बढ़ाने के लिए लगातार बमबारी की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना की तरफ से यूक्रेन में कल्सटर बम और वैक्यूम बम का इस्तेमाल किया जा रहा है। युद्ध के छठे दिन रूस ने यूक्रेन के ख?लाफ प्रतिबंधित थर्मोबैरिक हथियार का इस्तेमाल किया है। ये दावा यूक्रेन के अमेरिका में राजदूत की तरफ से किया गया है। ओखतिर्का के मेयर ने कहा कि रूस ने सोमवार को वैक्यूम बम का इस्तेमाल किया जो कि जेनेवा कंवेंशन के तहत प्रतिबंधित है।

तबाही का दूसरा नाम है वैक्यूम बम

साल 2007 में इस बम को बनाया गया था। इसमें बारूद का इस्तेमाल नहीं होता है। इसमें उच्च दाब वाले विस्फोट भरे होते हैं। ये बम वातावरण से ऑक्सीजन सोख लेता है। इससे अल्ट्रासोनिक शॉकवेब निकलती है। ये बम 300 मीटर के दायरे में नुकसान पहुंचा सकता है। ये बम 44 टीएनटी की ताकत वाला धमाका कर सकता है। जिनेवा एक्ट के तहत इस बम पर पाबंदी लगाई गई है, इसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। इसे फॉदर ऑफ ऑल बम भी कहा जाता है।

कल्सटर बम का इस्तेमाल

रूस की ऊपर वेस्ट मिलिट्री एक्सपर्ट ने गंभीर आरो लगाए हैं। खारकीव में रूस कल्सटर बम का इस्तेमाल किय है। बता दें कि कल्सटर बम वे इस्तेमाल पर रोक लगी है कल्सटर बम के बारे में कहा जात है कि ये आसमान से ही फटता और इसमें अलग-अलग स्टैटर होते हैं।

कार्रवाई: इंटरपोल ने दक्षिण अफ्रीका से भागे सहारनपुर के मूल निवासी दो गुप्ता बंधुओं के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया

जोहान्सबर्ग। इंटरपोल ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के मूल निवासी गुप्ता बंधुओं में से दो के खिलाफ रेड नोटिस जारी कर दिया। इंटरपोल ने सोमवार को अतुल और राजेश गुप्ता के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया है। तीन भारतीय मूल के गुप्ता भाइयों में से दो अतुल और राजेश गुप्ता देश और पैरास्टेटल संगठनों से अरबों रैंड की कथित लूट की जांच के बीच अपने परिवार के साथ दक्षिण अफ्रीका से भाग गए हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी पत्नियों- आरती और चेताली गुप्ता के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी करने के लिए दक्षिण अफ्रीकी सरकार के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है।

क्या होता है रेड नोटिस?

रेड कार्नर नोटिस का मतलब इंटरपोल के सभी सदस्य देशों के लिए ये अलर्ट होता है कि संबंधित व्यक्ति एक वांछित भगोड़ा है, लेकिन यह एक गिरफ्तारी वारंट के बराबर नहीं होता है। हालांकि इससे संबंधित देश को अपने वांछित अपराधी को दूसरे देश से प्रत्यर्पण के मामले को मजबूती से रखने में मदद मिलती है।

दक्षिण अफ्रीका सरकार ने सात महीने पहले इनके खिलाफ रेड नोटिस के लिए आवेदन किया था। दक्षिण अफ्रीका के न्याय मंत्री रोनाल्ड लामोला ने इस कदम को एक सकारात्मक पहल बताया है। इससे उन्हें उम्मीद है कि कानून को अपना काम करने में मदद मिलेगी।दक्षिण अफ्रीका का राष्ट्रीय अभियोजन प्राधिकरण (एनपीए) कई वर्षों से गुप्ता भाइयों के प्रत्यर्पण की कोशिश कर रहा है, जिनके बारे में माना जाता है कि 2018 में दुबई भाग गए थे। हालांकि उनका सटीक ठिकाना अभी तक पता नहीं चला है। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले साल दुबई के साथ एक प्रत्यर्पण संधि की थी और उनके प्रत्यर्पण के लिए आवेद किया था। गुप्ता परिवार पर पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा के साथ निकटता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है जिसमें राष्ट्रीय बिजली आपूर्तिकर्ता एस्कॉम सहि पैरास्टेटल कंपनियों से लूटपाट की गई, जो अब गंभीर रू से नकदी-संकट में बदल गई है, जिसके परिणामस्वरू देश भर में बार-बार लोड शेडिंग होती है।